# He Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 4 3]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 22, 1977 ( आश्विन 30, 1899)

No. 431

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 22, 1977 (ASVINA 30, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग ]]]...खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 24 मितम्बर 1977

स० ए० 12019/5/74-प्रगा० 11—प्रध्यक्ष, सघ लोक सेवा प्रायोग, एतद् द्वारा सघ लोक सेवा ग्रायोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी प्रनुभाग प्रधिकारी श्री म० से० छाबडा को 12-9-77 से छ: मास की ग्रवधि के लिए प्रथवा ग्रागामी ग्रादेशो तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ ग्रन्वेपक कै पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

श्री छाबडा वरिष्ठ श्रन्वेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासभोधित वित्त मजालय के का० ज्ञापन स० एफ० 10(24)-ई-III/60 दिनाक 4-5-61 में निहित उपबन्धों के श्रनुसार विनियमित होंगा।

प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर मचिव, कृते श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग

भ्रन्तरिक्ष विभाग विकम साराभाई भ्रन्तरिक्ष केन्द्र

न्निवेन्द्रम-695022, दिनाक 13 मितम्बर 1977

सर्वी र एसर एसर सीर /स्थार /एनर टीर एफर-77—विक्रम साराभाई प्रन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक, निम्नलिखित ग्रिधिकारियो की पदोन्नति होने के परिणामस्वरूप उन्हें ब्रन्तिरक्ष विभाग के विक्रम साराभाई ब्रन्तिरक्ष केन्द्र, विवेन्द्रम में वैज्ञानिक/इजीनियर एम० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में, उनके नामों के सामने दी गई नारीखों के पूर्वाह्म में ग्रागामी श्रावेण तक नियुक्त करते हैं:

| ऋम स०   | —<br>नाम                      | पदनाम                         | तारीख    |
|---------|-------------------------------|-------------------------------|----------|
| 1       | 2                             | 3                             | 4        |
|         | <br>वी० घ्रार० प्रभाकर<br>रयर | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एम० बी०  | 1-1-76   |
|         | जी० गोपालकृष्णा               | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०  | 1-1-76   |
| 3. श्री | पी० रंगराजू                   | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०  | 1-1-76   |
| 4 শ্বী  | पी० एम० पौल् <b>म</b>         | वैज्ञानिक/इंजीनियर<br>एस० बी० | 1-1-76   |
| 5. श्री | एन० श्रत्रणन                  | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०  | 26+10-76 |
| ६ श्री  | एम० मुरलीधरन                  | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०  | 30-12-76 |

(4719)

| 1  | 2                        | 3                                       | 4      |
|----|--------------------------|---|--------|
| 7. | श्री पी० यतिन्द्रन नायर  | वैज्ञानिक/इजीनियर                       | 1-1-77 |
| 8. | श्री ए० बालासुत्रह्मणियन | एस० बी०<br>वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी० | 1-4-77 |
| 9, | श्रीमती पी० सी० एक्षी    | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०            | 1-4-77 |
| ۰0 | श्री जी० एस० थास         | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०            | 1-4-77 |
| 1. | श्री ए० श्रब्दुल रजाक    | वैज्ञानिक/इंजीनियर<br>एस० बी०           | 1-4-77 |
| 2. | श्री डब्ल्यू० टी० जोमेफ  | वैज्ञानिक/इजीनियर<br>एस० बी०            | 1-4-77 |
| 3. | श्री ए० थोमस             | यैज्ञानिक/इंजीनियर<br>एस० बी०           | 1-4-7  |

राजन वी० जार्ज, प्रशासन प्रधिकारी-II(स्था०) इसे निदेशक

# गृह मन्नालय

# (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुघार विभाग) केन्द्रीय स्रन्वेषण अ्यूरो

नई दिल्ली, दिनाक 1 श्रक्तूबर 1977

स० पी० एफ०/एम-18/74-प्रशा०-5--प्रतिनियुक्ति की भ्रवधि समाप्त हो जाने पर, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो भुवनेष्वर शाखा में वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में प्रतिनियुक्त उड़ीसा पुलिस के अधिकारी श्री एम० एस० चौधरी को दिनाक 31-8-77 के अपराह्म में केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरों में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

उनकी सेवाएं दिनाक 1-9-77 के पूर्वाह्म से राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

> बी० डी० पाल, प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०)

नई दिल्ली-110001, दिनाक 29 सितम्बर 1977

स० 0.II-1073/77-स्थापना—-राष्ट्रपति, डाक्टर विनोद कुमार को ग्रस्थायी रूप मे श्रागामी श्रादेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० श्रो० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/ कम्पनी कमान्डर) के पद पर उनको 21 सितम्बर 1977 (पूर्वाह्र) से नियुक्त करते हैं।

> महानिदेणालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल दिनाक 4 भ्रक्तूबर 1977

स० 0.II-1045/76-स्थापना--महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम दल, ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ती को, 17-9-1977 पूर्वाह्र से केवल 3 माह के लिये, ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख सक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा भ्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

# दिनाक 5 ग्रक्तूबर 1977

स० म्रो० दो० 678/71-स्थापना—श्री सरदारा सिह, उप-पुलिस भ्रधीक्षक, 35वी बाहिनी, के० रि० पु० दल, 71 दिन का सेवा निवृत्ति भ्रवकाश 22-8-77 से 31-10-77 तक के समाप्त होने पर इस दल से 31-10-77 (श्रपराह्न) को सेवा निवृत्त हो जाएंगे ।

ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

#### वित्त ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्टूबर 1977

म० 7 एफ० मी० 2(7)-ए०/77—ग्रायोग की 28 जुलाई, 1977 की सम सख्यक ग्रिधसूचना में सगोधन द्वारा इण्डियन इकनामिक सर्विस के ग्रेड IV में स्थाई ग्रिधिकारी श्री पी० बी० धवन को, 24 जून 1977 के पूर्वित्व से ग्रगला ग्रादेश जारी होने तक, 1100-1600 रुपए वेतनमान में सातवे वित्त ग्रायोग के ग्रध्यक्ष का निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

पी० एल० सकरवाल, ग्रवर सचिव

# भारत के नियत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1977

स० 3399-रा० स्था  $I/\nabla \pi$ -88/पी० एफ० दिनाक 6-8-77---श्री मुशील कुमार मिस्त्री, भा० ले० तथा ले० प० सेवा को श्रपना नाम "सुशील कुमार राय" रखने की श्रनुमित दे दी गई है।

स० 3414-रा० स्था०-I/बी-36/पी० एफ० III-दिनांक 8-8-77-- लोक हित में 23-4-1977 से भारत पैट्रोके मिकल्स निगम लि० बढ़ौदा में उनके स्थायी रूप से विलयन के फलस्बरूप केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के प्रधीन श्री जे० एस० बक्शी, भा० ले० तथा ले० प० सेवा को उसी सारीख से सरकारी सेवा से व सेवा निवृत्त समझा जाता है।

स० 3425-रा० स्था० I/24-76—दिनाक॰ 9-8-77— श्री ग्रानन्द शकर, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 21 मई, 1977 से भा० ले० तथा ले० प०सेवा के किनष्ठ वेतनमान में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिए गए हैं।

संख्या 3803-रा० भा० I/एस०-70/पी० एफ० भाग IV— विनांक 30-8-77—श्री एस० पी० एस० सोधी, भा० ले० तथा ले० प० मेवा का सरकारी सेवा से इस्तीफा 3 जून 1977 से स्वीकार कर लिया गया है। सं० 4033-रा० स्था० I/पी-12/पी० एफ० भाग II-दिनाक 15-9-77-लोक हित मे 23-8-1976 से भारतीय ड्रग्स तथा फार्मास्यूटिकल्म लि०, नई दिल्ली मे उनके स्थायी रूप मे विलयन के परिणामस्वरूप केन्द्रीय सिविल सेवा (पंश्वन) नियमावली 1972 के नियम 37 के प्रधीन श्री वाई० पी० पासी, भा० ले० सथा ले० प० सेवा को उसी तारीख से सरकारी सेवा मे सेवा निवृत्त समझा जाता है।

एम० एम० बी० श्रन्नावी, सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेण (प्रथम) इलाहाबाद, दिनाक 23 मितम्बर 1977

का० श्रा० स० प्रणासन-I/11-144(XIII)/205— महा-लेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने श्री हरीश्चन्द्र श्रीवास्तवा द्वितीय श्रनुभाग अधिकारी को 17-9-77 से श्रागामी श्रादेण पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी नियुक्त किया है।

> नीलाम्बर श्रीवास्तव, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनाक 23 सितम्बर 1977

क्रमाक-प्रणा०-1/311—सिविल मेवा विनियमावली (पेणन) 1972 के नियम 43 के अन्तर्गत महालेखाकार-प्रथम ने श्री ग्रार० के० पितले, स्थाई लेखा श्रिधकारी, को 31-8-77 अपराह्म मे णामकीय सेवा से स्वेच्छिक निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

> कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

#### रक्षा मन्नालय

महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फॅक्टरिया कलकत्ता, दिनाक 27 सिसम्बर 1977

स० 62/77/जी—महानिदेशक, भ्रार्डनेन्स फैक्टरिया, निम्नलिखित स्थायी सहायको को, महायक स्टाफ श्रफसर (वर्ग-II राजपित्रत) के पद पर, स्थानापन्न नदर्थ भ्राधार पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई श्रवधि से पदोलित करते हैं:---

(1) श्री नरेन्द्र नाथ घोष दिनाक 1-4-1977 से 29-5-1977 तक दिनांक 30-5-1977 से ग्रागामी

श्रादेश होने तक।

(2) श्री रामेन्द्र कुमार मित्र दिनाक 2-5-1977 में 24-7-1977 तक

दिनाक 1-8-1977 से श्रागामी श्रादेश होने तक।

डी० पी० चक्रवर्ती, महायक महानिदेणक I प्रणासन-II कृते महानिदेणक, श्रार्डनेन्स फैक्टरिया

#### वाणिज्य मत्नालयः

मुख्य नियत्नक, भ्रायात निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 28 मितम्बर 1977 श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

स० 6/84/54-प्रशासन (राज०)/6903—सेवा निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर स्थायी उप-मुख्य नियन्नक, श्रायात-निर्यात श्री जे० मुखर्जी ने 31 जुलाई, 1977 के दोपहर बाद से सयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकक्ता में सेवा कार्यभार छोड दिया।

म० 6/176/54-प्रशासन (राज०)/6910--संयुक्त मुख्य नियत्नक, श्रायात निर्यात (केन्द्रीय लाइसेस क्षेत्र) के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थायी नियत्नक, श्रायात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय मेवा में इतर) और स्थानापन्न उप-मुख्य नियत्नक, श्रायात निर्यात श्री डी० पी० माथुर का 18 जुलाई, 1977 को निधन हो गया।

स० 6/1224/77-प्रशासन (700)/6933—-राष्ट्रपति, केरल क्षेत्र, त्रिबेन्द्रम में क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री श्रहण कुमार श्राई० ए० एस० (केरल-1965) को 29 श्रगस्त, 1977 के दोपहर पूर्व से ग्रागे श्रादेश होने तक संयुक्त मुख्य नियन्नक, श्रायात निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 29 सितम्बर 1977

- सं० 6/122/77-प्रशासन (राज०)/6944—राष्ट्रपति, विणेष ग्रिधिकारी ग्रीर सरकार के पर्वन ग्रवर सचिव, केन्द्रीय प्रशासन विभाग, गुजरात सरकार, गाधी नगर के श्री एन० सी० देव को 21 जुलाई, 1977 के दोपहर पूर्व में ग्रहमदाबाद में उपमुख्य नियंत्रक, ग्रायत निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।
- 2. इस संगठन में श्री एन० सी० देव, उप-मुख्य नियत्नक, श्रायात निर्यात के रूप में श्रपने वेतनमान के साथ प्रतिमास 200 रुपये का विशेष वेतन भी प्राप्त करेंगे।

का० वे० शेषाद्रि, मख्य नियंत्रक, ग्रायात्त-निर्यात

## उद्योग मंत्रालय

# मई दिल्ली, दिनाक 19 मितम्बर 1977

सं० ए० 19018/314/77-प्र० (राज०)—-विकास प्रायुक्त लघु उद्योग केन्द्रीय सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा के ग्रेड-II के श्री वी० दोराइ स्वामी को विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में सामान्य प्रशासन प्रभाग में प्रतिनियुक्ति के प्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) नियुक्त करते हैं। श्री दोराइ स्वामी ने यथानुसार 24-8-1977 पूर्वाह्म से विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में इस पद का कार्यभार सभाल लिया।

वी० वेकटरायुलु, उप निदेशक (प्रणासन)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

# (प्रशासन मनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनाक 27 सितम्बर 1977

स० 6/247(239)/59-II—जमगंदपुर निरीक्षणालय के श्रधीन उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) भिलाई के कार्यालय में महायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु रमायन) श्री ए० बी० सिह्ना का दिनाक 2-6-1977 को देहान्त हो गया।

मूर्य प्रकाण, उप निदेशक (प्रशासन), **कृते** महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनाक 19 मितम्बर 1977

स० ई-11(7)—इस विभाग के समय समय पर यथा-सणोधित 11 जुलाई, 1969 की प्रधिसूचना स० ई०-11(7) में निम्नलिखित जोड दिया जाबे प्रर्थात्

श्रेणी-2 "नाइट्रेट मिश्रण" के अधीन

"मुपरडाइन" प्रविष्टि के पूर्व विनिर्दिष्ट स्थलो पर अभिप्रयोग विनिर्माण और क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-8-1978 पर्यन्त "एस डी एस-500 कर्दम (स्लरी) विस्फोटको" को जोड दिया जावे।

> इगुव नरसिह मुर्ति, मुख्य विस्फोटक नियत्नक

# इस्पात श्रौर खान मन्त्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा श्रौर इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, दिनाक 28 सितम्बर 1977

सं० ई 1-12(8)/77(.)—लोहा और इस्पात नियवक एतद्द्वारा श्री एस० के० भट्टाचार्य स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी को, कलकत्ता के पूर्वी रेलवे कार्यालय से इस कार्यालय में लेखा ग्रधिकारी के रिक्त पद पर 31 श्रगस्त के द्विप्रहर से श्रगले ग्रादेण तक स्थानापन्न प्रतिनियुक्ति नियुक्त करते हैं।

> ए० मी० चट्टोपाध्याय, उप लोहा ग्रौर इस्पात नियत्नक, कृते लोहा ग्रौर इस्पात नियन्नक

# खान विभागः भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाक 29 सितम्बर 1977

स० ए० 19012(96)/77-स्था० ए०--श्री एस० के० णाहा स्थायी वरिष्ठ तकनीकी (भूवैज्ञानिक) को दिनाक 12-9-77 के पूर्वाह्म मे श्रागामी श्रादेश तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न सहायक खान भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

# दिनाक सितम्बर 1977

म० ए-19012/85/77-म्था० ए०--भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी अधीक्षक श्री जी० मी० गर्मा की 12 मितम्बर, 1977 के अपराह्म से श्रागामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतन क्रम में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक प्रशामन श्रधकारी के पद पर पदोन्नति की जानी है।

एल० सी० रणधीर, कार्यालय ग्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

# स्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्लो, दिनांक 28 मितम्बर 1977

स० 4(35)/77-एस-I—सहानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्बारा श्री सुरेन्द्र चुन्नीलाल टन्ना को, श्राकाणवाणी, पुणे में 14-9-77 से अगले आदेणो तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रम्थायी रूप में नियुक्त करने हैं।

म० 4(54)/77-एस-I--महानिदेशक, ग्राकाणवाणी, एतद्वारा श्री कणीकुमार शास्त्री को, ग्राकाणवाणी ग्रहमदाबाद मे, 15 सितम्बर, 1977 से ग्रगले ग्रादेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

स० 2(89)-77-एस-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे० एन० जोणी, को ब्राकाणवाणी, भुज में 1-9-77 में अगले श्रादेशों नक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 4 (57)/77 एस०-I--महाानदशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ह्रेन्दर कुमार कोटिया को, आकाशवाणी, रायपुर में 30-8-77 से श्रगले आदेशो तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनाक 30 सितम्बर 1977

स० 4 (80)/77-एस०-I—महानिदेणक, स्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री कृष्णराव एल० यादव को, श्राकाशवाणी, नागपुर मे 20 श्रगस्त 1977 (ग्रपराह्म) से श्रगले आदेशो तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनाक 1 भ्रक्तूबर 1977

म० 4 (55)/77-गुम०-I—महानिदेशक, स्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० एन० व्याम को, स्राकाणवाणी, बम्बई में, 12-9-1977 में स्रगले श्रादेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किणोर भारद्वाज, प्रशासन निदेशक, हुते महानिदेशक। नई दिल्ली दिनाक 30 सितम्बर 1977

स० 10/41/77-एस०-3---महानिदेशक, स्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मयेराम की, तारीख 2-9-1977 में श्राकाश-वाणी, वस्बई मे, स्थानापन्न रूप से महायक इजीनियर नियुक्त करने हैं।

म० 10/71/77-एम०-3—महानिदेशक, स्राकाशवाणी, श्री योगेन्द्र कुमार को, 22-8-1977 मे श्राकाशवाणी, कोहिमा मे, स्थानापन्न रूप मे सहायक डजीनियर नियुक्त करते हैं।

> हरजीत सिह्, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक।

# मूचना भ्रौर प्रसारण मंत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26 दिनाक 28 सितम्बर 1977

म० ए०-12026/7/75-मिबन्दी-І--श्री एम० चन्द्रन नायर स्थानपन्न महायक प्रणासकीय ग्रधिकारी, प्रणासकीय ग्रधिकारी होने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री व्हि० ग्रार० पासवानी, स्थायी ग्रधीक्षक फिल्म प्रभाग बम्बई, को स्थानापन्न सहायक प्रणासकीय ग्रधिकारी के पद पर दिनाक 1-8-1977 के पूर्वाह्र में 30-8-1977 के प्रपाह्न तक नियुक्त किया था।

एम० कें० जैन, प्रशासकीय प्रधिकारी, कृते प्रमुख निर्माता।

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाल्य

नई दिल्ली दिनाक 28 सितम्बर 1977

म० ए० 12025/26/76-(के० स्था० णि० व्यूरो) प्रमा-मन-Ηस्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सुदर्शन कुमार भगत को 3 मितम्बर 1977 पूर्वाह्म मे आगामी श्रादेशो तक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे तकनीकी अधिकारी (प्रदर्शनी) के पद पर, श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

#### दिनाक 29 सिनम्बर 1977

म० ए० 12026/24/77-(एच० क्यू०) प्रशासन-I—श्री के० सी० गगले के छुट्टी चले जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस० एम० शर्मा को 13 सितम्बर 1977 पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिशालय के केन्द्रीय औषधि मानक नियन्त्रण सगठन में तकनीकी श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन कृषि एव सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 29 सितम्बर 1977

मि० स० 1 (७)/76-स्थापना (2)—श्री राम प्रकाश चन्दर को विस्तार शिक्षण सम्थान, नीलोखेडी जिला करनाल (ह्रियाणा) में मुख्य शिक्षक (कार्यशाला) समूह 'बी' (राजपित्रत) के रूप में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ग्रम्थायी नौर पर दिनाक 23 ग्रास्त, 1977 के श्रपराह्म में श्रासे ग्रादेश तक नियुक्त किया गया।

चन्दर प्रकाश, निदेशक प्रशासन।

केन्द्रीय मत्स्य णिक्षा सम्थान वम्बई-58 दिनाक 29 सितम्बर 1977

स० 1-13/77-स्था०/6666—निदेशक केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, बम्बई श्री सुधीर कुमार भटनागर को 23 श्रप्रैल 1977 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशो तक श्रस्थायी श्राधार पर निदेशक (काफ्ट श्रीर गियर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 30 सितम्बर 1077

म० 43/2/77/स्था०-6698---निदेशक केन्द्रीय मत्सय णिक्षा सम्थान बम्बई श्री पकज कुमार बैंजल को 22 ग्रगस्त 1977 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशो तक ग्रलवण जलीय मछली फार्म बलभद्रपुरम में श्रम्थायी श्राधार पर महायक श्रभियन्ता (मछली फार्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री० ना० द्विवेदी, निदेशका

ग्रामीण विकास विभाग विषणन एव निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनाक 1 ग्रक्तूबर 1977

सं० कार्डल 4-6 (12)/77-प्र०-III—इस निदेशालय की ग्रिधसूचना म० सम दिनाक 15-4-77 ढारा ग्रिधसूचित दिनाक 28-3-77 (प्विह्नि) से 6 माह की ग्रल्पकालीन ग्रविध के लिए सहायक विपणन ग्रिधकारी वर्ग I, के पद पर श्री एन० बी० भट्टाचार्य की नियुक्ति को, ग्रागे की ग्रविध के लिए जो तीन माह से ग्रिधक नहीं है, या जब तक कोई नियमित प्रबंध होने हैं, दोनों में पहले जो भी घटित हो, बढ़ाया जा चुका है,।

मं० फाईल 4-6 (119)/77-प्र० III—इस निदेशालय की श्रिध्सूचना संख्या सम दिनाक 19-3-77 द्वारा श्रिध्सूचित दिनाक 8-3-77 (श्रपराह्म) से, 6 माह की श्रह्मकालीन अविध के लिए सहायक विपणन श्रीधकारी वर्गा, के पद पर श्री श्रार० सी० मिंचल की नियुक्ति को आगे की श्रवधि के लिए, जो तीन माह से श्रीधक नही है, या जब तक नियमित श्राधार पर कोई प्रबध होते हैं, दोनो में पहले जी भी षटित हो बढाया जा चुका है।

# दिनाक 3 श्रक्तूबर 1977

सं० फाईल 4-6 (10)/77-प्र० III—इस निदेशालय की ग्रिधसूचना सख्या सम दिनाक 25-3-77 द्वारा अधिसूचित दिनाक 28-2-77 (पूर्वाह्न) में 6 माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी वर्ग I, के पद पर श्री डी० के० घोष, की नियुक्ति को, आगे की श्रवधि के लिए जो तीन माह में अधिक नहीं है, या जब तक कोई नियमित प्रबध होते हैं दोनों में में पहले जो भी घटित हो, बढाया जा चुका है।

मं० फाईल . 4-6 (116)/77-प्र०ा॥—हस निदेशालय की प्रिधमूचना संख्या सम दिनांक 11-4-77 द्वारा प्रिधमूचित, दिनांक 25-3-77 (पूर्वाह्म) से 6 माह की प्रविध के लिए अल्पकालीन ग्राधार पर सहायक विषणन ग्राधकारी, वर्गा, के पद पर श्री एच० एन० णुक्ल की नियुक्ति को, श्रागकी श्रवधि के लिए, जो तीन माह से श्रीधक नहीं हैं, या जब तक कोई नियमित प्रविध होते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, बिटाया जा चुका है।

बी० पी० चावला, निदेशक, प्रशासन इन्हों कृषि विपणन सलाहकार

# नागपुर, दिनाक 1 सितम्बर 1977

सं० फा० 3 (44)9/72-वि० II--भारत के राजपत में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व), वित्त मलालय, (राजस्व मंडल) की प्रधिसूचनान्नों सं० 12 विनाक 9-6-1945 स० 1 कैम्प दि० 5-1-1946 सं० 6 दि० 5-2-1949 स० 64 दि० 17-6-1961 के लिए में एदद् द्वारा श्री डी० जी० पाटील, वरिष्ठ विपणन प्रधिकारी और श्री एस० सुड्वाराव, विपणन प्रधिकारी को इस प्रधिसूचना के जारी किए जाने की नारीख से तम्बाकू जिसका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण श्रीर चिह्न नियम और कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न ) ग्रिधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के ग्रधीन सूचीकृत उपबन्धों के ग्रनुसार किया जा खुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करना हूं।

ह० अपठनीय कृषि विपणन सलाह्कार

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

## कामिक प्रभाग

बम्बई, 400085 दिनाक 27 अगस्त 1977

स० एच/257/टी० एम० डी०/स्थाप० IV/7463--निम्निलिखित आदेश जो 19 जुलाई 1977 को रसीदी रजिस्ट्री
द्वारा इस अनुस्धान केन्द्र के श्री आर० आई० हकीम, कारीगर-ए
को उनके पते पर भेजा गया था, डाक अधिकारियों की तारीख
22 जुलाई 1977 की इस टिप्पणी के साथ 'चला गया — पता
नहीं मालुम' वापिस आ गया। अन इस आदेश को राजपत्न में
प्रकाणित करना है।

## ''श्रादेश''

केन्द्रीय सिविल सेवायें (श्रस्थाई सेवा) नियमावली
1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के श्रनुसार, मैं इस
अनुस्धान केन्द्र के तकनीकी सेवायें प्रभाग के श्री भार० श्राई०
हकीम, कारीगर-ए को सूचना देता हूं कि इस श्रादेण के तामील
होने की तारीख के एक महीने की श्रविध खत्म होने पर या जिस
दिन यह श्रादेण उन्हें मिल जाये या विया जाये या जैसी भी
हालत हो, उनकी सेवाये निलम्बित समझ ली जायेगी।

पृथ्वी राज मेर, श्रध्यक्ष,कामिक प्रभाग

# परमाणु ऊर्जाविभाग क्रय एव भडारनिदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनाक 22 भ्रगस्त 1977

मं. डी० पी० एस०/23/8/77-स्था०/20622—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भड़ार निदेशक, क्रय एवं भड़ार निदेशक, क्रय एवं भड़ार निदेशक लेखा अधिकारियों को, उसी निदेशालय में उनमें में प्रत्येक के नाम के सामने लिखी अविधि के लिए क० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में नदर्थ प्राधार पर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी-ग़ नियुवत करते हैं:—

| ऋम         | स०              | नाम | 7  | श्रवधि    | टिप्पणी   |
|------------|-----------------|-----|--|-----------|---|
| 1          | श्रीवी० के० पोत | दार | 25-4-7<br>(पूर्वाह्म<br>25-6-7<br>(ग्रपराह्म | ) से<br>7 | लेखा श्रधिकारी-  II श्रीमती बी०  शकुन्तला, जिनकी  छुट्टी स्वीकृत  हो गई है, के  स्थान पर ।          |
| <u>2</u> . | श्री पी० एम० रा | य   | 2-5-77<br>से 2:<br>(म्रपराह्म                | 5-6-77    | लेखा श्रधिकारी-II<br>श्री जी० एल०<br>हाल्दीपुर, जिनकी<br>छुट्टी स्वीकृत हो<br>गई है, के स्थान<br>पर |

बी० जी० कुलकर्णी, महायक कार्मिक अधिकारी

## (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद- 500 016,विनाक 28 मितम्बर 1977

स० ए० एम० डी०-4/3/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के महायक चिकित्सक डा० एच० बी० एम० ग्रेवाल को इसी प्रभाग में दिनाक 1-3-1977 में उपरोक्त लिखिन पद बेतनमान (रु० 650-1200) पर एतद द्वारा मौलिक रूप से स्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

ग० रा० उदास, निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग

# तारापुर परमाणु बिजलीघर महाराष्ट्र 401504, दिनाक 23 मितम्बर 1977 शुद्धि पत्र

स० टी०ए०पी०एम०/2/551/67—दिनाक ६ सिनम्बर, 1977 की ग्रिधिसूचना सं० टी०ए० पी०एम०/2/551/67 में दिनाक "25 मई, 1977" के स्थान पर दिनाक "25 ग्रगस्त, 1977" प्रतिस्थापित कर दिया जाये।

डो० वी० सरकले, मुख्य प्रशासन ग्रधिकारी

# पर्यटन श्रीर नागर विमानन मक्षालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 28 सितम्बर 1977

स० ई० (I) 07197—विधणालाश्रो के महानिदेशक, नयी दिल्ली, श्री बूज भूषण को 8 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश तक, भारत मौसम सेवा, ग्रुप-वी (केन्द्रीय सिविल मेवा, ग्रुप-वी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियक्त करते हैं।

श्री बृजभूषण को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकता के भ्रन्तर्गत मौसम केन्द्र, गौहाटी में तैनात किया जाता है।

> एम० ग्रार० एन० मणियन मौसम विज्ञानी कृते वंधगालाग्रो के महानिदेणक

नई दिल्ली-3, दिनाक 29 मितम्बर 1977

मं० ई० (I) 05868—विधलणालाग्रों के महानिदेणक विधणालाग्रों के महानिदेणक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री चन्द्र प्रकाण को 12-9-77 से 9-12-77 तक 89 दिन की श्रविधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री चन्त्र प्रकाण स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वैधणालास्रो के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली मे ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालसुब्रह्मण्यन, मौसम विज्ञानी कृते वेधणालाश्रो के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 26 सितम्बर 1977

स० ए०-31013/3/76-ई ए---राप्ट्रपति ने निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को 13 सितम्बर, 1977 से नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग ग्रौर विमान क्षेत्र सगठन में वरिष्ठ विमान क्षेत्र ग्रिधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है:---

- 1. श्री एम० एम० जोगलेकर
- 2. श्री बी० के० रामाचन्द्रन
- 3. श्री एल० बी० टिमिन्स
- 4. श्री एम० एम० साइमन
- 5 श्री एस० भट्टाचार्जी
- 6 श्री एच०के० सचदेव
- 7. श्री टी० श्रार० चन्द्रमौलि
- 8. श्री एस० एस० बेवली
- 9. श्री प्रेम नाथ

एस० एस० खण्डपुर, उप निदेशक प्रशा०

## नई दिल्ली, दिनाक 24 सितम्बर 1977

स० ए० 38012/1/77-ईसी—नियन्नक सचार, वैमानिक सचार स्टेशन, सफदरजग एयरपोर्ट के श्री जे० एस० वेदी, सहायक सचार ग्रिधिकारी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 श्रगस्त, 1977 (श्रपराह्न) से श्रपने पद का कार्यभार स्यागदिया है।

#### दिनाक 27 सितम्बर 1977

सं० ए-12025/8/75-ईसी—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री सूर्य नारायण मूर्ति को 31 श्रगस्त, 1977 (पूर्वाह्न) से श्रन्य श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक सचार सगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमानिक सचार स्टेशन बम्बई में तैनात किया है।

मं० ए 32013/9/76-ईसी---इस विभाग की तारीख 6 जुलाई, 1977 की श्रधिसूचना मं० ए० 32013/9/76-ईसी के कम मे राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन तकनीकी श्रधिकारियो की वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के पद पर हुई तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि 31-8-1977 तक बढ़ा दी है ——

| ऋम<br>सं० | नाम                    | तैनाती स्टेशन   |
|-----------|------------------------|---|
| 1         | श्री एन० ग्रार० स्वामी | नियन्त्रक. वैमानिक निरीक्षण,<br>नागर विमानन विभाग, हैदराबाद |
| 2.        | श्री वी० के० खण्डेलवाल | नियन्त्रक, वैमानिक निरीक्षण,<br>नागर विमानन विभाग, कलकत्ता  |
| 3.        | श्री एस० के० सरस्वती   | निदेशक, रेडियो निर्माण ग्रौर<br>विकास एकक, नई दिल्ली        |

सं० ए० 32013/11/76-ईसी—राष्ट्रपति, ने श्री बी० जी० शा, सचार ग्राधकारी, वैमानिक सचार स्टेशन, नागपुर को 11-8-77 (पूर्वाह्न) मे श्रन्य श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर वरिष्ट सचार श्राधकारी के ग्रेड मे नियुक्त किया ग्रीर उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई मे तैनात किया है।

#### दिनाक 29 सितम्बर 1977

स० ए 32013/6/77-ईसी—राष्ट्रपित ने श्री के० सुरेन्द्र, तकनीकी श्रीधकारी, बैमानिक सचार स्टेशन, बबई को 30-5-77 पूर्वीह्न से 28-10-77 तक या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें में जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी श्रीधकारी के ग्रेंड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमानिक सचार स्टेशन, पालम में तैनात किया है।

(इसके द्वारा इम विभाग की 4 श्रगस्त/16 श्रगस्त, 1977 की श्रिधसूचना मं०ए० 32013/6/77-ईसी की कम स० 4 रह की जाती है।)

बी० वी० जौहरी, सहायक निदेशक प्रणासन

# वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनाक 3 सितम्बर 1977

सं 0 16/208/72-स्थापना-I—ग्रध्यक्ष, वन श्रनुसधान सस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री पी० के० जकरिया महायक णिक्षक दक्षिणी वन राजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर की सेवाये दिनाक 7 सिनम्बर, 1977 के अपराह्म से महर्ष केरल सरकार को पुन. सीप दी है।

> पी० म्रार० के० भटनागर, कुल मचिव वन म्रनुसधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन णुल्क समाहर्नालय इलाहाबाद, दिनाक 26 सितम्बर 1977

सं० 22/1977—केन्द्रीय उत्पादन णुल्क मण्डल, मुरादाबाद में तैनात केन्द्रीय उत्पादन णुल्क वर्ग 'ख' के स्थायी श्रधीक्षक श्री एच० सी० दीवान, 31-7-1977 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए। स० 23/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, मुरादाबाद में तैनात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के स्थानापन्न श्रधीक्षक श्री के० सी० श्रग्रवाल, 31-7-1977 को दोपहर बाद में सरकारी मेवा से निवृत्त हो गये।

स० 24/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात श्री बी० एम० सिंह, स्थायी श्रधीक्षक श्रेणी 'ख' दिनाक 31-7-1977 को दोपहर के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के॰ पी॰ म्रानन्द, समाहर्ता

# केन्द्रीय उत्पादन गुल्क बड़ौदा, दिनाक 14 मितम्बर 1977

स० 10/77---केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, बडौदा समाहर्ता कार्यालय के सहायक समाहर्ता श्री ग्राई० एल० वशी, दिनाक 31 श्रगस्त, 1977 के ग्रपराह्न से सेवा निवृक्त हुए हैं।

> कु० श्री० दिलिपमिहजी, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बडौदा

# केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय पश्चिम बगाल कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 4 अक्तूबर 1977

म० II (3) 167/ईटी/डब्ल्यू-बी/77/23939—879D—भारत सरकार, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा णुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के पत्र एफ० स० ए-12026/8/875-सी० ई० ग्रार० सी० (प्र०) दिनाक 26 ग्रप्रैल, 1977 ग्रीर इस कार्यालय के पू० मि० स० 11(31)31/ईटी/डब्ल्यू बी/76/9278-92 सी० दिनाक 5 मई, 1977 के द्वारा जारी कार्यालय ग्रादेश दिनाक 5 मई, 1977 के ग्रनुसरण मे, श्री सिद्धिनाथ झा, हिन्दी ग्रनुषादक, केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तालय, पटना ने 30/6/77 (ग्रप०) में कार्यभार से मुक्त होकर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बगाल, कलकत्ता में दिनाक 11/7/77 (पूर्वा०), को हिन्दी ग्रधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

ग्र० कु० भौमिक, समाहर्ता

केन्द्रीय सीमा शल्क तथा उत्पादन शुल्क समाहर्ता का कार्यालय, शिलाग

शुद्धि-पत्न

णिलाग 3 अक्तूबर 1977

सी म० II/3/32/ईटी/70—केन्द्रीय सीमा शुल्क तथा उत्पादन शुल्क विभाग के शिलाग कलक्टरेट द्वारा क्रमिक न० सी० एन० स्रो॰ II/3/32/ईटी/70/462, में तारीख 3-8-77 की प्रचारित स्रिधसूचना नं॰ 8/77 नारीख 1-8-77 की मुद्धि-पन्न .——

उनत श्रधिसूचना में श्रागतलास्थित ग्रुप "बी" श्रधीक्षक श्री ए० के॰ दास, पुरकायस्थ के भार ग्रहण की तारीख 22-7-77 (पूर्वाह्न) के बदले 20-7-77 (पूर्वाह्न) मान ली जाय ।

> टी० वोछाग महायक समाहर्ता (मुख्यालय), केन्द्रीय सीमा गुल्क तथा उत्पादन गुल्क शिलांग

# केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 अन्तूबर 1977

म० ए०-19012/521/74-प्रणा०-पांच--जल तथा विद्युत् विकाम परामर्ण सेवाए (भारत) लि० से वापस आने पर श्री एस० एम० सच्चर ने केन्द्रीय जल आयोग में महायक अनुसंधान श्रीक्षकारी (रसायन) के पद का कार्यभार 24 मितम्बर, 1977 के पुवह्नि में संभाला।

जे०के० साहा, ग्रवर सचिव केन्द्रीय जस ग्रायोग

## मध्य रेलवे

बम्बई, दिनांक 28 सिसम्बर 1977

सं० एच० पी० बी०-220/जी० एम०--भारतीय रेल यांत्रिक इजीनियरी सेवा के अधिकारियों को उनके नामने दिखाई गई तारीख ने प्रवर वेतनमान में स्थायी किया गया है।

नाम

स्थायीकरण की तारीख

1. श्री एम० भट्टाचार्य

21-2-67

पु० रा० पुसालकर, महाप्रवन्धक

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मन्स्रालय (कपनी कार्य बिभाग) विधि लॉ बोर्ड

कम्पिनयों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स धौलपुर एग्रो एण्ड कांटेज इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

क्वालियर, विनाक 28 जून 1977

मं० 1190--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैं सर्स धीलपुर एग्रो एण्ड काटेज इण्डस्ट्रीज प्राइबेट किमिटेड का नाम आज रिजस्टर मे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और मैसर्स राजस्थान फार्मम कम्पनी प्राडवेट लिमिटेड के विषय मे

ग्वालियर, दिनाभ 28 जून 1977

स० 1192--कम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैंसर्स राजस्थान फार्मस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स धौलपुर कोलोनाइजर्स एण्ड एग्रो डबलपमेट कम्पमी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

क्वालियर, दिनाक 28 ज्न 1977

मं० 1193— कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतव् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स धौलपुर कोलोनाइजर्स एण्ड एग्रो इवलपमेंट कम्पनी प्रइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर में सर्व धौलपुर एग्रीकल्चरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ग्वालियर दिनांक 28 जून 1977

सं० 1194—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैंसर्म धौलपुर एमीकल्चरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर धौलपुर होर्टीकल्चर एण्ड एग्रीकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

ग्वासियर, दिनाक 28 जून 1977

स० 1197---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुमरण में एतव् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैंसर्स धौलपुर होर्टीकल्चर एण्ड एग्रीकल्चर कम्पनी श्रायवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स धौलपुर फायनेन्सर्स एण्ड इत्वेस्टर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

खिलियर, दिनाक 28 जून 1977

स० 1198—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मससं धौलपुर फायनेन्ससं एण्ड इन्वेस्टर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विद्युटित हो गई है।

2--296GI/77

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स धौलपुर मर्केन्टाइल एण्ड इन्वेस्टमट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

# ग्वलियर, दिनाक 28 जून 1977

सं० 1199---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मसर्स धौलपुर मर्केन्टाइल एण्ड इन्वेस्टमेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

जसराज बौहरा, कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रवेज, ग्वालियर

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रौर माईनिंग एण्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाक 28 सितम्बर 1977

मं० 14691/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि माईनिंग एण्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर कानाईराय चौधुरी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाक 28 मितम्बर 1977

स० 24/87/560 (5) — कस्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कानाई राय चौध्री, एण्ड क० प्राइवेट लिमिटेंड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कस्पनी विषटिंत हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रीर कलकत्ता इक्किपमेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाक 28 मितम्बर 1977

मं० 26901/560 (5)--कम्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि कलकत्ता ईक्क्टिमेंट्स प्राइक्टे लिमिटेड कानाम आज रिजस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लिवारिट कम्पनी लिमिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनाँक 28 सितम्बर 1977

म॰ 14487/560(5)---कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जासी है कि सिवारिटी कर लिमिटेंड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उनस कम्पर्ना विघटित हो गई है।

> एस० सी० नाथ कम्पनियो का सहायक रिजस्ट्रार पण्चिम बगाल

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर गणेश चिटफड कपनी प्राडवेट लिमिटेड के विषयम

मद्रोस-6, दिनाक 3 ग्रक्त्वर 1977

स० 809/560 (5)/77--कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि गणेष चिट फड कपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रीधनियम, 1956 श्रीर मेकम इजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनाक 3 श्रक्तूबर 1977

सं० 5655/560 (5)/77---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुमरण में एतद् द्वारा सूचनादी जाती है कि मेकम इजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीप उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर होमियो एण्ड बयो कम्पनी लिमिटेङ के विषय म

मब्रास-6, दिनाक 3 श्रक्तूबर 1977

मं० 5760/560 (5)/77---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा मुचना दी जाती है कि होमियो एण्ड बयो कपनी लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सबरि ऐजन्सीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्रास-6, दिनाक 3 श्रवतूबर 1977

स० 6376/560 (5)/77---कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा मूचनादी जाती है कि सबरि ऐजन्मीम प्राष्ट्रवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

# कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर श्रमृत श्रैक लि० के विषय में

जालन्धर, दिनाक 30 मार्च 1977

मं० 149/560/7370—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एसद्झारा सूचना दी जाती है कि ग्रमृत बैक लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर व्हीटो लेबोट्रीज लिमिटेड (लिक्बीडेशन)के विषय में

जालन्धर, दिनाक 30 मार्च 1977

स० स्टेट/1320/560/7374—कस्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा स्वनादी जाती है कि व्हीटो लेबोरेट्रीज लिमिटेड (इन लिक्बीडेशन) का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रीर प्यीर मिलक सप्लाई कम्पनी लिमिटेड (लिक्बोडेणन) के विषय में

जालन्धर, दिनाक 30 मितम्बर 1977

म० स्टेट/1786/7383--कम्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि प्यौर मिलक सप्लाई कम्पनी लिमिटेंड (लिक्वीडेंगन) का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सत्यप्रकाश तायल कम्पनियो का पजीकार प०, हि० प्रदेश व चडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर वैश्य बैनेफिट चिट फण्ड लिभिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनाक 30 मितम्बर 1977

स० 3892/7737—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसदृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर वैश्य वैनेफिट चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उनत कम्पनी विधटित करदी जाएगी।

मनमोहन सिंह जैन, कम्पनियो का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त, लखनऊ .श्रायकर विभाग

लखनऊ, दिनाक 18 अगस्त 1977

सं० 78--श्री महेशघन्द्र, ग्रायकर निरीक्षक, कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त, लखनऊ को श्रायकर ग्रीधकारी, वर्ग 'ख' के पद पर ग्राफिसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे पदोस्तत किया जाता है । पदोन्ति पर उन्होंने तारीख 28-6-77 के पूर्विह्न में श्रायकर श्रिधकारी, बी-गर्ड, वेतनवृत, लखनऊ के रूप में कार्यभार सभाला।

म० 79—श्री जे० एम० जोशी, श्रीयकर निरीक्षक, कार्यालय आधकर श्रीयुक्त, इसाहाबाद, को श्रीयकर श्रीयकारी वर्ग "ख" के पद पर श्रीफिसिएट करने के सियं रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान मे पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने तारीख 30-6-77 के पूर्वाह्न में श्रीयकर श्रीधकारी (लेखा परीक्षा), इलाहाबाद के रूप में कार्यभार सभासा।

स० 80—श्री ग्राई० सी० चटर्जी, ग्रायकर निरीक्षक, कार्यालय ग्रायकर ग्रायकत, लखनऊ को भ्रायकर ग्राधकारी वर्ग "ख" के पद पर श्राफिसिएट करने के लिय ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पदोन्तत किया जाता है। पदोन्ति पर उन्होंने दिनाक 28-6-77 के पूर्वाह्न से कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त लखनऊ में श्रायकर श्रिष्ठकारी (मुख्यालय) तकनीकी ग्रीर जनसम्पर्क ग्राधकारी के रूप में कार्यभार संभाला।

स० 81—-श्री बी० के० पाण्डे, श्रायकर निरीक्षक, कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर प्रायकत (लेखा परीक्षा) लखनऊ को ग्रायकर ग्राधकारी वर्ग "ख" के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनाक 30-6-77 के पूर्वाह्म से श्रायकर श्रिष्ठकारी डी-वार्ड, बरेली के रूपमें कार्यभार संभाला।

एस० के० लाल, श्रायकर आयुक्त, **लखन**ऊ

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल) नई दिल्ली, दिनाक 5 सितम्बर 1977

विषय -----श्रधिकार क्षेत्र-निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मेन्ट्रल) मई दिल्ली के दो नएरेजो का बनाया जाना।

स० एस० प्राई०/जुरि०-2/सी०/77-78/3063~~-श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर प्रायुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल), नई बिल्ली निदेभ देते हैं कि नई दिल्ली मेनिरीक्षीय महायक आयकर श्रायुक्त (सेन्ट्रल) रेज-4, तथा निरीक्षीय महायक श्रायकर आयुक्त, (सेन्ट्रल) रेज-3, नई दिल्ली नामक दो नए रेन्ज बनाए जायेगे।

यह भ्रादेश 7-9-1977 से लागू होगा।

विषय .---श्रधिकार-क्षेत्र, नई दिल्ली मे दो नए सेन्ट्रल सकिलो का बनाया जाना।

सं० एस० म्राई०/जुरि० (1)/सी/77-78/3062--- म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961का 43वां) की घारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भायकर श्रायुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल), नई दिल्ली निवेश देते हैं, कि नई दिल्ली में आयकर अधिकारी सेन्ट्रल सर्किल-16 तथा भायकर श्रिधकारी सेन्ट्रल सर्किल-17, नई दिल्ली नामक दो नए सक्तिल बनाए जायेगे।

आयकर श्रधिकारी सेन्द्रल सर्किल-16 तथा सेन्द्रल सर्किल-17 नई दिल्ली ऐसे मामलो के बारे मे श्रपने कार्य करेंगे जो उन्हें आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 127 की उपधारा (1) के अन्तर्गत यथास्थिति श्रायकर श्रायुक्त श्रथवा बोर्ड द्वारा सींपे जाएं।

थह मादेश 7-9-77 से लागू होगा।

एन० एस० राघवन, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली (सेन्ट्रल) नई दिल्ली

कार्यालय भायकर भायुक्त, विल्ली-2 नई दिल्ली, दिनाक 24 सितम्बर्] 1977

#### आयकर

सं० जुरि०/दिल्ली/2/77-78/24570— आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों तथा इस सम्बन्ध में दिनाक 1-5-76 तथा 17-1-77 के प्रादेश सं० कमश. जुरि०/दिल्ली/2/76-77/2667 तथा जुरि०/2/76-77/43305 में प्राशिक संशोधन करते हुए प्रायकर प्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई श्रनुसूची में कालम-2 में निदिष्ट प्रायकर प्रधिकारी उक्त प्रनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, श्राय या श्राय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में श्रपने कार्य करेंगे। किन्सु इसमें उक्त प्रधिनियम की धारा 127 के प्रन्तर्गत किसी ग्रन्य ग्रायकर ग्रिधकारी को सीपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, ग्राय या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे।

## ग्रनुधुषी

| क्रम<br>सं०                                    | श्रायकर श्रधिकारी<br>का पदनाम | मधिकार-क्षेत्र   |
|--|-------------------------------|--|
| 1  | 2                             | 3  |
| 1. भ्रायकर मधिकारी<br>डि॰-6 (6)<br>नई दिल्ली । |                               | (क) ऐसे सभी व्यक्तिया<br>व्यक्तियों के वर्ग, आय<br>या आय के वर्ग तथा<br>मामले या मामलो के<br>वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी<br>की वर्णमाला के अक्षर |

| प्रेस 'एम' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी श्रक्षर से श्रारम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो श्रायकर श्रिक्त से श्रात हैं।  (ख) उपरोक्त मद (क) में श्रामें के सभी भागीदार व्यक्ति।  2. श्रायकर श्रिकारी, (क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, श्राय मामलों के वर्ग, श्राय मामलों के वर्ग, श्राय या श्राय के वर्ग, मामलों या मामलों के वर्ग, जिनके नाम श्रंग्रेजी वर्णमाला के श्रक्षर 'एन से जैड' तक (दोनों को मिलाकर ) किसी भी श्रक्षर से श्रारम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो श्रायकर श्रिक कारी, डि-6(1) नई  | <del></del>         |   |
|---|---------------------|---|
| को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होगे जो आयकर श्रधि- कारी, डि-6 (1), नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। (ख) उपरोक्त मद (क) मे श्राने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।  2. श्रामकर श्रधिकारी, (क) ऐसे सभी व्यक्ति या डि-6 (6) ग्रतिरिक्त नई दिल्ली।  (क) ऐसे सभी व्यक्ति या श्राय के वर्ग, श्राय पा भामलों के वर्ग, जिनके नाम अंग्रेजी वर्णमाला के श्रक्षर (एन से जैंड' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी श्रक्षर से आरम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर श्रधि- | 1 2                 | 3   |
| दिल्ली के अधिकार क्षेत्र<br>में आते हैं।<br>(ख) उपरोक्त मद (क)  | डि-6 (6) ग्रतिरिक्त | को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर श्रधि- कारी, डि-6 (1), नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। (ख) उपरोक्त मद (क) में श्राने वाली फर्मों के सभी भागीदार ब्यक्ति । (क) ऐसे सभी व्यक्ति या ब्यक्तियों के वर्ग, श्राय या श्राय के वर्ग, श्राय वर्णमालों के अक्षर (एन से जैड' तक (दोनों को मिलाकर ) किसी भी श्रक्षर से आरम्भ होते हों। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर श्रधि- कारी, डि-6 (1) नई दिल्ली के श्रधिकार क्षेत्र में श्राते हैं। |

# यह अधिसूचना 1-10-1977 से लागू होगी।

ए० सी० जैन ग्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली

सभी भागीदार व्यक्ति।

कार्यालय आयकर आयुक्त, पंजाब अमृतसर दिनांक 1 श्रक्तुबर 1977

सं० सी०वी०-4/जिल्द-V/1417—श्री देसराज गुष्ता, भ्रायकर भ्रधिकारी, द्वितीय श्रेणी, दिनांक 31-8-1977 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> ब॰ र॰ श्रबरोल श्रायक<sup>र</sup> श्रायुक्त, श्रम्तसर

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद•

हैदराबाद, दिनाक 7 अक्तूबर 1977

सं० श्रार० ए० सी० 105/77-78:——यत , मुझे, (के० एस० बेकटरामन]

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है,

श्रौर जिसकी स० 5-3-919 ग० 923 है, जो मोजम जाई मारकेज्ज मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-2ब 77।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की खाबत उकत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मेसुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:—

- (1) श्री सैयद महबूब सैयद काइरी मलकपेट हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हाजी श्रहमद हुसेन, (2) हाजी श्रहमद मैं मद (3) हाजी श्रहमद श्रनवर, (4) हाजी श्रहमद यूनुस, (5) हाजी श्रहमद योसीन (6) हाजी श्रहमद वहीद रहते हैं महबूब मन्जिल नूरकान बाजार हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां गुरू करता हू।

उमत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास श्रिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

घर नं ० 5- 3- 9 19 ता- 9 23 मूजमजाही मारकीट, हैदराबाद विस्तर्ण 700 वर्ग यार्ड दस्तावेज न ० 472/77 उप र्राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

> कें एस० वेकटरामन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 7-10-1977।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भटिडा का कार्यालय भटिडा, दिनाक 30 सितम्बर 77

निदेश न० ए० पी० 24/77-78 — यत , मुझे, पी० एन० मिलक ।

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिमकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो वजीर पूर मों मा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1977

क प्रधान, तिराख जनवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है भीर
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और धन्तरक
(ग्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
धन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे घास्तिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठितियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रिधीन मिम्नलिखित व्यक्तियो. अर्थात्:--

(1) श्री राम प्रताप , राम नरेन, नेत राम , राजा राम, तुलसी, रामेश्वरी पुत्र, पुत्रीया श्री कृष्ण इन्द्र जीत सुन्दर देवी, मरला देवी, पुत्रीया राम गोपाल वेदा श्री कृष्ण वासी वजीद पु० मोमा।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री हरजिन्द्र सिंह, गुरविन्द्र सिंह, बलराज सिंह बेटा जरनैल सिंह बेटा अर्जन सिंह गांव लकडवाला तहसील फाजिल्का।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० में है (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूची रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिन के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यदा-परिभाषित है, वही भ्रष्यं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वजीरपुर मोमा में 95 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 1603 जनवरी, 1977 में हैं।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज भटिंडा

नारीखा : 30-9-77

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज भटिडा का कार्यालय

भटिडा, दिनाक 30 सितम्बर 77

निदेश न ० ए० पी० 23/77-78 — यतः, मुझे, पी० एन० मिलक,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी स० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वजीद पुर मोगा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंद्या के निए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थातः —

(1) श्री राम प्रताप, राम नरैंन, नेत राम, राजा राम, तुलसी, रामेण्यरी बेटिया जी० कृष्ण बेटा सरदूल इन्द्रजीत विश्रमजीत सुन्दर देवी, शीला, सुमिल्ला, सरला बेटिया राम गोपाल, वासी बजीदपुर, तहसील फाजिल्का।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरजिन्द्र सिंह, गुरिमन्द्र सिंह बलराज सिंह बेटा जरनेल सिंह बेटा श्रर्जन सिंह वासी लकड वाला तहसील मुक्सर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है )।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदो का, जो उक्त श्रिक्षित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वजीद पुर में 95 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं॰ 1611 जनवरी, 1977 में लिखं े।

> पी० एन० मलिक, म**क्षम श्रधिकारी,** स**हायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजंन रेज, भटिडा

तारीख · 30-9-77 मोहर : प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्स (निरोक्षण)

श्चर्जन रेज भटिडा कार्यालय भटिडा, दिनाक 28 सितम्बर, 77

निदेण नं ० ए० पी० 25/ 77-78 --- यत मुझे पी० एन० मलिक । धायकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

परचात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इपए से घषिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में दिया गया है है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा मे रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-2-1977 I

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से धिधक है भीर भन्तरक (भन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त श्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर पधिनियम, (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: ग्रह, उक्त धर्धिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रर्थात्:--

(1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र धर्म सिंह बेटा चुहर सिंह वासी मांगा महिला सिंह

(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखना है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिर्तबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# यनुसूची

मोगा महिला सिंह में 9 मरला श्रौर 3 मरमाई अमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 6375 वारीख 2/2/77 में है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन उलाका-2, बम्बई। त्रर्जन रेज भटिडा

तारी**ख** . 28-9-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनाक 28 सितम्बर 77

निवेश न० ए०पी० 26/77-78—-यतः, मुझे पी०एन० मिलकः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ं जैसा कि श्रनसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-2-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- 3--296GI[76

(1) श्री म्रर्जन सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री मुहर सिंह मोगा महिला सिहा।

(भ्रन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा द्वारा कुन्दन सिंह पुत्र कन्हेया लाल मोगा

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टमाय में वियागया है।

# अनुसूची

एक कनाल 5 मरले 5 सरसाई श्रीर 9 वर्ग फुट का प्लाट जो मोगा महला सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 6362 तारीख 1-2-77 मे हैं।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-9-1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०~-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज भटिंडा

भटिडा, दिनाक 28 सितम्बर, 77

निदेश नं ० ए० पी० 27/77-78 .-- यतः, मुझे पी० एन० मिलक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य

25,000/- द० से मधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में दिया गया है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15/2/1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त धिधिनियम' या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा(1) के घधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मथीन:--- (1) श्री श्रर्जन सिंह बेटा प्रताप सिंह बेटा चुहर सिंह वासी श्रगबाड पाले के मोगा महिला सिंह ।

(ग्रन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा द्वारा हरजीत सिंह बेटा चरण सिंह वासी मोगा।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है )।

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्केप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

एक कनाल 6 मरले श्रौर 28 वर्गफुट जमीन मोगा महिला सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री नं $\circ$  6617 तारीख 15/2/77 में हैं।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज भटिडा

तारीख : 28/9/77

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 28 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 28 /77-78 - यत., मुझे पी० एन० मिलक ।

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28/3/1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी बन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धनकर भिन्नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रवित्:— (1) श्री अर्जन सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र चुहर सिंह बासी मोगा महिला सिंह ।

(भ्रन्तरक)

(2) मीनाक्षी फिल्मस कारपोरेशन मोगा ब्रारा श्री प्रशोत्तम लाल पुत्र श्री प्रकाश चन्द मोगा

(प्रम्तरितीं)

- (3) जैसा कि नं बो में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्वीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दी भीर पदो का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक प्लाट एक कनाल छः मरले श्रौर 28 वर्ग फुट मोगा महिला सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री न० 7313 तारीख 28/3/77 में है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28/9/77

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ण (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, भटिंखा

भटिडा, दिनाक 28 सितम्बर, 1977

निदेश न० ए० पी० 32/77-78:----यतः, मुझे पी० एन०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13/5/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रसिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितयी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य धास्तियों को, जिण्हें भारतीय धायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम या धन-कर घिधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मुखतियार सिंह बेटा ठाकर सिंह बेटा हजारा सिंह नानक नगरी भोगा द्वारा माधो प्रसाद बेटा बद्री प्रसाद मुखत्यारे खास मोगा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिंह बेटा ईश्वर सिंह बेटा हजारा सिंह मार्फत कलसी इजीनियरिंग वर्क्स मजेसटिक रोड मोगा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं बो में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त मधिनियम, के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित, हैं, वही धर्च होगा जो उस भ्रष्टपाय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक बिल्डिंग जिसमें एक हाल भ्रीर एक दफतर है। रकबा तकरीबन 9 मरले जैसा कि रजिस्ट्री नं० 606 तारीख 13/5/77 में है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भटिडा

तारीख: 28-9-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर द्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निर्देश नं० ए० पी० 33/77-78 — यतः, मुझे, पी० एन० मिलिक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो दिवान खेरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30 मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपन्नारा (1) के श्रधीन निम्नसिधित व्यक्तियों, श्रमीत्:--- (1) श्री झड़ा राम पुत्र चानन राम पुत्र मन्नु राम वासी दिवान खेरा तहसील फाजिल्का

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी ईशरा रानी बेटी भगवान दास पुत्र लहना राम गांव कुकड़ा वाली तहसील फतहबाद जिला हिसार ।

(श्रन्वरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के शब्याय 20क में परिभाषित हैं, बही शर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसची

गांव दिवान खेरा में 31 कनाल, 1 मरला जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न॰ 2418, तारीख 30-3-77 में है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेज, भटिड<sup>ा</sup>

तारीख: 28-9-1977

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निदेश नं ए० पी० 34/77-78—यतः, मुझे पी० एन० मिलक

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनूसूची में दिया गया है तथा जो श्रवोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घ्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त ग्रधिनियम' या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, प्रयात्:~ (1) सर्वश्री इन्द्र राज और राम कुमार बेटे श्री राम कृष्ण वासी श्रबोहर तहसील, फाजिल्का।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रतील कुमार बेटा श्री बनवारी लाल वासी भ्रबोहर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवादियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रबोहर गाव मे 111 वर्ग गण जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 62 तारीख 12-4-77 में हैं।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राबकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 28-9-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 29 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 35/77-78 .—यतः मुझे, पी० एन० मिलक,

आयकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त ग्रिघिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से ग्रधिक हैं और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लालेवाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर भन्तरिक (भन्तरिको) भौर भन्तरिती (भन्तरिक्यो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: ग्रव, उक्त श्रिष्ठितियम की द्वारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रीष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निश्किखित व्यक्तियों अर्थात् ा—

- (1) श्री प्रजीत सिंह बेटा सुन्दर सिंह गाव कंग (श्रन्तरक)
- (2) श्री पुन्नू ग्रमर सिंह बेटा गोपी गांव वजीवपुर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न ० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हैं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहरूताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुपूची

168 कनाल जमीन गांव लालेवाल में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4294 तारीख 3-2-77 में है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज भटिङा

तारीख: 29-9-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 8 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 29/ 77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है जो गांव मोगा महिला सिंह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घिषक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर घन्तरिती (घन्तरितियो) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः अब उक्त घ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, भैं, उक्त घ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के घ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:-

- (1) 1 सर्वश्री करनैल सिंह भ्रौर जसमेल सिंह, पुतान पूर्ण सिंह, 2 विकर मिंह, जसवत सिंह उर्फ बसंत सिंह, बंता सिंह और दर्णन सिंह पुतान भ्रमर सिंह, मोगा। (भ्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री रामकृष्ण,हरी कृष्ण और ग्राम लाल,पुत्तान पीर दास मल, राम गोपाल, सुशील कुमार, कमल कुमार, ग्रीर पाल कुमार, पुत्तान पन्ना लाल वासी, मोगा। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं ० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

# ग्रनुसूची

मोगा में एक कनाल 2 मरला जमीन जैसा कि रिजस्ट्री नं० 6462 तारीख 9-2-77 मे हैं

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज, भटिंडा ।

तारीख: 8-9-77

प्रारूप आई० टी० एन० एस०⊶-----

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 सितम्बर, 1977

निदेश नं० ए० पी० 30 / 77 - 78 - स्वतं मुझे पी० एन० मिलक,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात:—— 4—296GI/77 (1) श्री धर्मपाल बेटा जगत राम बेटा काणीराम सिवल लाईन, मोगा

(श्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश मदान बेटा सुखदयाल वासी जी० टी० रोड, मोगा

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के सबध में कोई भी भाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखरे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध िक्सी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्राध-नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मोगा महिला सिंह में 16 मरला  $6rac{1}{2}$  सरसाही जमीन जैसाकि रजिस्ट्री न० 664 तारीख 18-5-77 में है।

पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-६-77

# प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के म्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनाक 28 मितम्बर 77

निदेश न० ए० पी० 31/ 77-78 -- यतः, मुझे, पी० एन० मिलकः, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो दाना मंडी, मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख, फरवरी, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रणीत्:— (1) श्री कालू राम उर्फ रोग्न कुमार बेटा राम सरूप कपड़ा विकेता न्यू टाउन रोड मकान न० 31 मोगा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सीता राम नरैन, दास कमीशन श्रजेन्ट दाना मडी मोगा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है।]

को यह मूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मोगा गाव में 4 मरला जमीन जैसा कि रिजिस्ट्री न० 6778 तारीख 23-2-77 में है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, भटिडा

तारीख 28-9-77 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भटिडा भटिडा, दिनाक 8 सिनम्बर 1977

निदेश \_स० ए० पी० 36/ 77-78---यत , मुझे पी० एन० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी म० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बलुश्राना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फाजिल्का में, रजिस्ट्री-करण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-च की उपन्नारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो. अर्थात् :--

(1) श्री ठाकुर दास बेटा महला राम ग्रम्बोहर हिस्सेदार बलुग्राना तहसील, फाजिल्का ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री चम्बा राम बेटा शैव दित्ता वासी बसुग्राना। (म्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति से इचि रखता है [बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति से हिनबद्ध है।]

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेने।

स्पष्टीकरण .— इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्राँर पद्दो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बलुआना में 40 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि रिजस्ट्री न॰ 2365 तारीख 25-3-1977 में है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, भटिडा

तारीख · 28-9-1977

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भटिजा

भटिडा, दिनाक 29 सितम्बर 1977

निदेश नं ० ए० पी० 37/77-78 --- यतः, मुझी पी० एन० मिलक,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा शेदगी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी 1977 को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से ग्रिधिक है भौर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है .--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबन, उक्त ध्रिधिनियम के ध्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व मे कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियो, ग्रथील् :-- (1) श्री बलदेव सिंह बेटा भगवान सिंह मेबदार फगवाडा शेदगी ।

(श्रन्तरक)

- (2) श्री गुरमीत चन्द बेटा उजागर मल पलाही गेट, फगवाड़ा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० दो मे है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी खाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
  ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपदिकरण — इस में प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधित्यम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया हैं।

## अन्सुखी

11 कनाल 11 मरले जमीन फगवड़ा शेंदगी में जैसा कि रिजस्ट्री नं० 1614 तारीख 8-2-1977 में है।

> पी०एन० मलिक सक्षम श्रधिकारी, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख . 29-9-1977 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर घ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) '

ग्रर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनाक 29 सितम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 38/77-78--यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269 ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से म्रधिक है

ग्रीर जिसकीं स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घ्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, भव, उन्त मधिनियम, नी धारा 269म के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्री रामा मल बेटा गुजर मल मलिक चमन इंजीनियरिंग वक्सं इंण्डस्ट्रीयल एरिया, फगवाडा ।

(ग्रन्तरकः)

- (2) वासान सिंह बेटा रंगा सिंह मिलक वास को इण्डस्ट्रीज एरिया, फगवाड़ा ।
- (3) जैसा कि न० दो में हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है [बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ]।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20 क मे परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट न० 19 जो कि 979 वर्ग गज श्रौर  $4\frac{1}{2}$  वर्ग फुट इण्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1634 फरवरी 1977 में हैं।

पी० एन० मिलक, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिडा

तारीख: 29-9-1977

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनाक 29 सितम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० 39/ 77-78 — यतः, मुझे पी० एन० मिलक
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनूसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण कप में वर्णित है ),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9/2/1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से भिष्ठक है और भन्तरक (धन्तरको) भीर भन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिनियम, के घाषीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त घ्रधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण मे, मै, उन्त घ्रधिनियम की धारा 269व की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्यातृः— (1) श्री रामा मल बेटा गूजर मल मलिक चमन इजीनियरिंग वक्सं इण्स्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा।

(भ्रन्तरक

(2) श्री भ्रबनाशी लाल बेटा राम चन्द थापर कालोनी फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 से है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सबध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्धीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दो घौर पदो का, जो उन्स ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट न० 19-ए जो 979 गज 41/2 फुट इण्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़। जैसा कि रजिस्ट्री न० 1635 फरवरी 1977 मे है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारो, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज , भटिडा

तारीख: 29-9-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भटिष्ठा

भटिंडा, दिनाक 29 सितम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० 40 / 77 - 78 - 40 , मुझे पी० एन० मिलक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से अधिक है

श्रोर जिसकी स० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो बहराम में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवा शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से धिष्क है ग्रौर धन्तरक (अन्तरको) ग्रौर धन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मन्तियत श्रपक्तियों, ग्रपीत् :--- (1) श्री आत्मा राम बेटा हरनाम सिह् गाव बहराम तहसील नवा णहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तरसेम लाल, मोहन लाल, वेद प्रकाश जोगेन्द्र पाल बेटा साधू सिह (हलवाई) बहराम सहसील नवा शहर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उनन श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वही शर्थ होगा जो उस शब्याय मे दियागया है।

# अमुसूची

60 कनाल जमीन बहराम गाय में जैसा कि रजिस्ट्री न० 4563 तारीख 28/2/77 नयां शहर में है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख <sup>:</sup> 29-9-1977

प्ररुप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के भधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1977

निदेश नं ० ए० पी० 41/ 77-78 — यतः, मुझे पी० एन० मिलक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६पए से अधिक है

भौर जिसकी स० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो मीरपुर खुर्द में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सरदुलगढ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियो, को जिन्हे भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज्ञ, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मे, अक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रध<sup>6</sup>त् :—

- (1) श्री हरबस लाल पुत्र श्री प्रताप राय पुत्र श्री गडा मल बासी मीरपुर खुर्द तहसील मानमा जिला भटिडा (श्रन्तरक)
- (2) श्री बिजय कुमार, विनोद कुमार पुत्रान, कुन्दन लाल पुत्र प्रताप राय वासी मीर पुर खुर्द श्रब सिनेमा रोड मानसा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं ० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्नाक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिसबढ़ है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी ब्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य भ्यवित द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

60 कनाल  $4\frac{1}{2}$  मरला जमीन गाव मीरपुर खुर्द में जैसा रजिस्ट्री नं० 966 तारीख फरवरी, 1977 उप रजिस्ट्रार सरदूल गढ़ में है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर भायुक्त (मिरीक्षण),** श्रर्जन रेज, भटिंडा

सारीख: 5-10-1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्तं (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1977

निदेश नं ० ए० पी० 42 /77-78 --- यत , मुझे पी० एन०

मिलक भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- द० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मीर पूर खुर्द में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण

रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सरदूल गढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 ) के

ग्रधीन, तारीख जून, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भन्निक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाधत, 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर, या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्स अिंद्रिनियम', या धन-कर प्रिष्ठिनियम', या धन-कर प्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत प्रत्न, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, म, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ग्रधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात -- (1) श्री चमन लाल बेटा प्रताप राय बेटा गंडा मल वासी मीर पुर खुर्द तहसील मानमा जिला भटिटा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, विनोद कुमार पुत्रान कुन्दन लाल वेद प्रताप राय वामी मीर पुर खुर्द तह्सील मानमा स्रव सिनेमा रोड मानसा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न ब दो में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रज़ेन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिकि नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भ्रयें होगा, जो उस भ्रष्टयाय म दिया गया है।

#### अनुसुची

60 कताल  $4\frac{1}{2}$  मरला जमीन गाव मीर पुर खुर्द में जैसा कि रजिस्ट्री न ० 612 तहसील सरदूल गढ में है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिक्रा

तारीख: 5-10-1977

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, 60/61 एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनाक 27 सितम्बर 1977

निर्देश स० सी० ए० 5/ नासिक/ / फैंब० 77/ 340---यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

ग्रीर जिसकी स० स० कि 243/3-8, सी० टी० एस० क० 2212 भ्रीर 2213 है तथा जो देवलाली जो नासिक में स्थित है ( श्रीर इसमें उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान पतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रधिनियम. के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रत्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय भाय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्मात .——

- (1) श्री जीवराम रणछोड दास ठभकर
  - 2 श्री हिरजीभाई रणछोडदास ठमकर
  - लक्ष्मीदाम रणछोडवास ठक्कर
  - 4 श्री ठाकरसी रणछोडदास ठक्कर
  - 5. श्री विट्ठलदास रणछोडदाम ठक्कर सभी रहनेवाले घर ऋ० 101, मी० टी० एम० ऋ० 3241, सुभाप रोड, नासिक रोड

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री दगडुलाल चुनी लाल गाधी

2. श्री रतिलाल चुनी लाल गाधी पोस्ट कसबे सुकेने त० निफा, जिला नासिक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रष्टिया तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उनत प्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्यें होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

# अमुसुको

खुली जगह, मौजे देवलाली, त० श्रौर जि० नासिक, नासिक म्युनिसिपिलिटी के कक्षाये, म०%०243/3-8, सी० एस० ऋ०2212 श्रौर 2213—1/2 हिस्सा - 517 85 वर्ग मीटर्स

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 103, दि० 8-2-77 को मबरजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी. सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 27-9-1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की

धारा 269-ध (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनाक 28 सितम्बर, 1977

निर्देश सं० सी० ए.० 5/ नासिक/ अप्रैल 77/ 341 — यत मुझे, श्रीमती पी० नलबानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/—

रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी म० 104/1बी-2 है, तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः भ्रज, उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ध की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातु:--- (1) श्री श्रीधर नाथ्जी धालक पिपलरोड, III दिहोरी, करंजवणे धरण नासिक जि० नासिक।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मूलजी प्रेमजी पटेल श्री पंचवटी सौ मिल के पार्टनर पेठ रोड, पंचवटी, नासिक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक क किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधिक नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सं० ऋ० 104 / 1-बी-2

--- पचवटी, नासिक ।

2/1

क्षेत्रफ ल -0-हे०, 9- श्रार०-1 फीहोल्ड (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में ऋ० 298 दि० 8-4-77 को सब-रजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर भायक्त (निरीक्षण),** धर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** 28-9-77। मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

बायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरेज, पूना

पूना-411004, दिनाक 30 सितम्बर, 1977

निर्देश स० सी० ए० 5/ हवेली II/ पूना / मार्च, 77/ 343/ 77-78—पत:, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० नं० 48/2 है, तथा जो नागरगाव, त० मावला में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हवेली -II पूना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से धिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया नया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसस प्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रचीत्:— (1) फिनोलेक्स केबस्स लिमिटेड 26-27 बंबई-पूना रोड़, पिपरी, पूना -18।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्सा उदय प्यारो केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, डायना बिल्डिंग, 53, महर्पी कर्वे रोड, बंबई 40002। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भौर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के ध्रध्याय 20 क में यथा परिभा-षित है, वहीं भर्य ोगा जो उस ब्रध्याय में विया गया है।

# प्रनुसुची

जमीन का दुकड़ा धौर उसके ऊपर बंगला जो सण्हे नबर 48/2 नागरगांव, तालुका माबल जिला पूना में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 10 एकस , 19 गुण है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्षमांक 4 दिनांक 7-3-1977 मब-रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवाणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्षन रेंज, पूना

तारीख: 30-9-1977

## प्रकप भाई• टी• एन• एस•-

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनाक 30 सितम्बर 77

निर्देण सं० सी० ए० 5 / हातकणगले / अप्रैल, 77 / 342---यत, मझे, श्रीमती पी० ललवाणी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए मे प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० सी० टी० एम० ऋ० 592/2 है तथा जो इचलकरेंजी में स्थित है ( ग्रींग्ड्ससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, हातकणंगले में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्राम्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उस्त ग्राधिनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रान्सरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियो, को, जिन्हे भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में,में उन्त प्रचिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीय, निम्निखिश, व्यक्तियों, ग्रथीत् ——

- (1) श्री मनोहर सदाशिश्व बनावली

  2. श्रीमती निर्मल मनोहर बनावली वार्ड क० 10, घर० क० 100, इंचलकरैंजी, जि० कोल्हापुर।

  (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सखाराम गोविद उडाले 2. श्री बजरग सखाराम उडाले वार्ड क ० 5, क ० 88 इचलकरेजी, जि० कोल्हापुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के शिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो घौर पदो का, जो 'उक्त द्याधिनियम', के घट्याय 20-क में यथा परिभाषित है बही धर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

सी० टी० एस० ऋ० 592/2, इचलकरेंजी, ता० हातकण-गल, जि० कोल्हापुर क्षेत्रफल-0-9 गुंठा (एन० ए० ), जमीन भ्रौर मकान फीहोल्ड।

( जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 393 दि० 26-4-77 को सबरजिस्ट्रार हातकणंगले के दफ्तर में लिखा है )।

श्रीमती पी० ललवाणी सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर आयुष्त (निरीक्षण),** अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 30-9-77

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

धायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 दिल्ली-1

नई विल्ली, दिनांक

निर्देश स० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/1280/ मार्च-1 (13)/ 77-78 ----अत, मुझे, जे० एस० गिल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य, 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० दुकान न० 135 है, तथा जो भगत सिह मार्किट नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधिनियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269ग के प्रनु∙ सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269भ की उपश्रारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ज्ञान चन्द कालरा, सुपुत श्री काणी राम निवासी जे०- 79, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ब्राणा चौधरी, पत्नी श्री ब्रार० ब्रार० चौधरी, निवासी एफ० -69, भगत सिंह मार्किट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### श्रनूसूची

दुकान नं ० 135 जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग फुट है, भगत सिंह मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारी**ख**ः

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक

निर्देण मं० आई० ए० मी०/ न्यू०/ 1/ अप्रैल-11/ (21)/ 77-78 / 25 ——अत., मुझे, जे० एम० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चाम् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी स० ई० 532 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हे भारतीय धायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन. अब, उक्त धिधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मै, उक्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्नलिक्कित क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय वीर वन्चू (करता, एच० यू० एफ०),
सुपुत श्री हरी हर नाथ बन्चू, निवासी 3, भगवान
दास रोड, नई दिल्ली। लेकिन श्रव हारा भारत
रिकाइन्री ट्रैंकैंनग सैन्टर ट्राम्बे हाउस, जूह बम्बई।
इनके जरनल अटारनी श्रीमती साम्प नेहरू, के हारा
पत्नी श्री बी० के० नेहरू०, निवासी, 1, वैस्टन एवेन्यू
महारानी बो०, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री एम० सी० चौपडा, मुपुत्र एल० छज्जू राम तथा श्री विनोद चौपडा, मुपुत्र श्री एस० मी० चौपडा, निवासी जे-63, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-1

(श्रन्तरिती)

को यह म्चना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण .--इसमें प्रयुक्त गब्दो भौर पदो का, जो उक्त भिक्षितियम, के भ्रष्टमाय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय मे दिया गया है।

### श्रन<u>ु</u>सूची

एक फ्रोहोल्ड प्लाट जिमका त० 532 है, ब्लाक तं० 'ई' है, ग्रीर क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाग-II, नई दिल्ली-48 में दिल्ली नगर निगम की मीमा के प्रन्तर्गत बाहापुर गांव के राजस्व राज्य, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं ——

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम रोड

उत्तर . प्लाटन० ई-534 दक्षिण . प्लाटन० ई-534

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्राप्कन (निरीक्षण), अर्जन रेज, दिल्ली

तारीखः ' मोहरः प्ररूप भाई० टी०, एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  $rac{1}{2}$  श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 -14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/म्राप्रैल-11 (14)/ 77-78/—म्रान. मुझे, जे० एस० गिल,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

और जिसकी स० एस-124 है तथा जो ग्रैटर, कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भौर भन्तरक (भन्तरको) भौर भन्तरिती (भन्तरितयो) के, बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बकने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर घंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उन्त प्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :—

- (1) श्रीमती रक्षा टडन, पत्नी स्वर्गीय श्री हरीश चन्द्र टंबन निवासी राजीव फार्म, विजवागन, नई दिल्ली, इनके जनरल अटारनी श्री जोगिन्द्र पाल कोह्ली के द्वारा, निवासी अनर्चाज, रामचन्दानी मार्ग, बस्बई-1 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भ्रार० के० सिह, पत्नी श्री भ्रार० सी० सिह, तथा राजन बन्सल, सुपुत्र श्री ग्रार० सी० सिह, निवासी 229, बाजार श्रजमेरी गेट, दिल्ली-6

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिंचियम के झध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट न० 124, ब्लाक नं० 'एम' जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है, निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश, वाक्तपुर गाव, दिल्ली की यूनियन बैरीटरी में एक ढाई मजिला मकान के माथ में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व रोड़ पश्चिम सर्विस रोड उत्तर प्लाट न० एम-122 दक्षिण : प्लाट न० एम-126

> जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीखः मोहरः प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजन रेजं-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली । नई दिल्ली-1, दिनांक

निर्देण म० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/1123/जनवरी-1 (5)/76-77/--म्प्रत मुझे, जे० एम० गिल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रोर जिसकी स०ई-71 है तथा जो प्रैटर कैलाण II, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबत प्रतूमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 11-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशास से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल भिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी ग्रायकी बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः अन, उन्त मधिनियम, को धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मधीन निम्निस्तित व्यक्तियो, भर्यात् —— 6—296GU77 (1) श्री सन्यामूर्ति शर्मी, सुपुत्र श्री बाला प्रसाद शर्मी, तथा श्रीमती प्रेम शर्मा, पत्नी श्री सत्यामूर्ति शर्मा, निवासी 1/8, दरिया गज, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुपुत्र स्वर्गीय श्री विशम्बर दयाल गुप्ता, तथा श्रीमती सतीय गुप्ता, पत्नी श्री राधे श्याम गुप्ता, निवासी एम/17, कैलाण कालौनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अंजीन के लिए कार्यवाहिया गरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-यद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्माय 20-क में यथा परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

एक फीहोल्ड प्लाट न० 71. ब्लाक न० 'ई' जोकि 220 वर्ग गज क्षेत्रफल का है, निवासी कालौनों ग्रेंटर फैलाण-II, नई फिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है ---

पूर्व सर्विसलेन पश्चिम रोड

उत्तर : प्लाटन०ई-73 दक्षण : प्लाटन०ई-69

> जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-ा, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः मोहरः प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, दिल्ली-1 4/14क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली ।

दिल्ली-1, दिनाक 10 प्रक्टूबर 1977

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-Ш/ 1238/जनवरी-11 (19)/77-78/——प्रत मुझे, जे० एस० जिल

श्रायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूप से श्रीधक है

स्रीर जिसकी सं० ई-449 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-[1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-1-1977

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है ——
  - (क) धन्तरण ने हुई किसी धाय की सासत उक्त ध्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्ति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धनः धव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति ध्यक्तियों, प्रधीन:---

- (1) श्री एस० भूपिन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० मेहताब सिंह, नियामी III-जी/14, लाजपन नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेण कुमार, मुपुत्र स्वर्गीय श्री मदन लाल, निवासी 408, नथा बास, दिल्ली ।

(ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सपत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहिया ग्रुक करता हा।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के सबंघ में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, श्री उक्त श्रीधिनियम के श्रीध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रीध्याय में दिया गया है।

## अमु सुषी

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका न० 449, ब्लाक न० 'ई' है, निवासी कालीनो ग्रेंटर कैलाश-U, नई दिल्ली में है, जिसके साथ एक मिजला मकान भो बना हुन्ना है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है ..--

पूर्व . प्लाट न० ई-447 पश्चिम . प्लाट न० ई-451 उत्तर : मिंबम रोड दक्षिण : रोड़

> जे० एस० गिल स्**वम प्राधिकारी,** महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10-10-1977.

मोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, घारवाड

धारवाड-580004 दिनाक 6 प्रक्टूबर 1977

निर्देण स० 192/77-78/एक्यू०--यतः मुझे, डी० सी० राजगोपालन,

प्रायकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से श्रधिक है

**धी**र जिसकी न० 674 है, जो रवीवार पेट, बेलगाम में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बेलगाम में भ्रडर डाकुमेट रजिस्ट्रीकरण मे म्रधिनियम, (1908 का 16) के अधीन ' 19( ) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरको) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के धन-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियो, अर्थातु .—- (1) श्री बसवराज, बी० होनइद्र, तिलकवाडी, बेलगाव,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो सकरेपा, बीक्पाकमपा बागो, पारटनर, मैंसर्स एस० बी० बागी, रवीबार पेट, बेलगाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सपित में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यो का, जो उक्त अधिनयम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान का मकान । रवीवार पेट बेलगाव में है । मूक्सीपालटी का न० 674, विस्तार 966 चौरसी फीट है ।

> घी० सी० राजगोपालनः, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, धारवाड़.

तारीख: 6-10-77

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, नागपुर नागपुर, दिनाक 26 सितम्बर 1977

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/45/77-78---यतः मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-- हपए से प्रधिक है

भीर जिसकी स० मकान न० 372/240 है तथा जो जुना बगडगज ले-म्राउट, नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-4-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया है जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, प्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्रभाकर मारोतराव ठवकर, जुनी मगलवारी स० न० 5/10, नागपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री विश्राम लेखराज भगनानी,
  - (4) श्री णकर लेखराज भगनानी,
  - (111) श्री आसन दास लेखराज भगनानी सभी सतरजी, कोटा कालीनी, नागपुर.

(अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उन्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं शर्य होंगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान न० 372/240/जो प्लाट न० 193 में स्थित है। भ्रीर जुना बगडगज ले-ग्राउट-सेक्शन 3. सेट्रल रिवेन्यू स्कीम एन० टी० टी० नागपुर में स्थित है।

> एच० सी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, नागपुर.

तारीख . 26-9-77 मोहर . प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 23 मितम्बर, 1977

निर्देश म० ए० सि०-१/ग्रर्जन रे०-IV/कल०/77-78—-ग्रत. मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 198 है तथा जो लेक टाउन, ब्लाक-ए, कल०-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16-2-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत, उसत श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, सक्त मिधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरफ में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रमीन निम्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् !-- (1) श्री सीताराम कोयान,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तपन कुमार गुह,

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के प्रर्जन के समध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रधितियम के श्रद्ध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

198, लेक टाउन, ब्लाक-'ए', कलकत्ता-55 पर स्थित 5 कट्ठा, 6 छटाक, 22 स्के० फिट जमीन के सुमुदाय चिजो, साथ 3-मजिला मकान।

ए० एन० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रेंज-JV, कलकत्ता.

तारीख 23-9-77. मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 8 ग्रक्टूबर, 1977

निर्देश म० ए० मि०-16/ग्रर्जन रे०-IV/कल०/77-78---ग्रत. मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रधिक है,

श्रीर जिसकी दाग म॰ 3527 हैं तथा जो राना-याजग्हाट, 28 में परगणा स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरक) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय को बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रत-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्षिद्या के लिए;

भ्रतः मब, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उक्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मिधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—— (1) मेंसर्स सल्ट लेक कृष्टोपुर को-प्रापरेटिव लॉन्ड एण्ड हाउसिंग मोमायटी लि०,

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स माहा इन्सटीच्युट को-ग्रापरेटिव कालोनी सोमायटी लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के यर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दो धौर पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दाग सं० 3527 (वर्तमान 5537), खितयान स० 604, मौजा-कृष्टोपुर, थाना-राजटरहाट जिला-2 परगणा में स्थित 9 बीघा, 13 कट्टा जमीन के कुल चिजो ।

> ए० एन० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-IV, कलकता.

तारीख 8-10-77. मौहर प्ररूप माई० टी० एन० एम०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-IV, कलकत्ता कलकत्ता,दिनाक 6 श्रक्टूबर, 1977

निर्देण मं० ए० मि०-17/ग्रर्जन रेज-IV/कल०/77-78—
यतः, मुझे, ए० एन० भट्टाचार्या,
धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है
श्रीर जिसकी म० 16 है तथा जो प्रिन्स ग्रनवर शाह रोड, कलकत्ता
मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्णा रूप मे विणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रलपुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख
7-1-77

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह' प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य मे उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियां को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धत प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन क्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्री नटवर लाल अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनिषा सरकार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उनत अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

164, प्रित्म अनवर शाह रोष्ट, प्लाट स० 5, उत्तर ब्लाक ए/1, थाना टालिगज, कलकत्ता-1, खाली जमीन, परिमाण-2 कट्टा 5 छटाक, 3 स्क० फिट।

ए० एन० भट्टात्रार्या, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16,

नारीख: 6-10-1977

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 3 श्रक्ट्बर 1977

निदेण मं० श्राई० ए० मी० एक्बी/भोपाल/77-78/873— श्रुत , मुझे, रा० कु० बाली,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विभ्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिमकी में० विल्डिंग है, जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भीर धन्तरक (धन्तरको) भीर श्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्राधिनियम, की धारा 269-घ की उपग्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:— (1) श्रीमती रेनू वेन्कट रमानी द्वारा श्री वी० एस० कृष्णनन निवासी  $\frac{4}{5}$ -1/120, करेरा कालौनी, भोपाल-1

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मरोज कुमारी हुगाल पत्नी श्री वी० एम० डुगाल, निवामी ई-1/144, ग्ररेरा कालौनी-ए, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दी ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रग्नं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

#### अनुसूचो

बिल्डिंग स्थित प्राइवेट सेक्टर ई 1/120, शाहपुरा, भोपाल ।

रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-10-1977.

मोहर:

प्ररूप ध्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के स्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रन्ट्बर, 1977

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० एक्की०/भोपाल/77-78/891 क्रुल:, मुझे, रा० कु० बाली,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रोर जिसकी स० भूमि व मकान है, जो हरदा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्णा रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, हरदा में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3-2-77 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उमत ग्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रक्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

स्रा: स्रव उक्त स्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त स्रधिनियम,' की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रचीत्:— 7--296GI/77

- (1) (1) श्री विभावन दास, (2) श्री किशान दास, (3) श्री विशान दास, (4) सभी पुत्र श्री वल्लभ दास द्वारा पावर श्राफ एटर्नी श्री लीला चन्द्र पुत्र श्री विश्वनाथ जी पटेल निवासी ऐवला जिला नासिक ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रामचन्द्र श्रग्नवाल, पुत्न श्री हजारी लाल श्रग्नवाल, निवासी हरदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खसरा न० 11.2, 11.3, 11.9 (भाग) साथ श्राफस बिल्डिंग, स्टोर व 1 95 एकड कृषि भूमि स्थित हरदा ।

> रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भोपाल

नारीख: 3-10-77. मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रम्टूबर 1977

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/892— श्रत:, मुझे, रा० कु० बाली,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से मधिक है

ग्रीर जिसकी स० बिल्डिंग है, जो भोषाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 17-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अ।यकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. ग्रंब उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-व की उपजारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत:— (1) श्रीमती प्रर्पनादेवी पार्ल श्री दास गुप्ता, ए० एम० निवासी 28, कैलाग पार्क, इन्दौर ।

(ग्रन्नरक)

(2) श्रीमती सरोज देवी अग्रवाल, पुत्री श्री मिट्टू लाल अग्रवाल, निवासी भोषाल टाकीज, हमीदिया रोड, भोषाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो घौर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही घर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनु**सूची**

प्लाट न० 17, ब्रिल्डिंग "हमीब मंजिल", वार्ड न० 1, ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

> रा० कृ० बाली, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख . 3-10-77. मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 10 श्रक्तूबर, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एक्यु० ]]]/ एस० आर० -11/ फरवरी/ 606 (5) / 76-77 — अतः मुझे ए० एल० सूद आयकर मिसिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

प्रौर जिसकी सं उ दुकान नं 30 है, तथा को नेहरु बाजार, बेअरोड, पहाडगज, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निषिक्षत व्यक्तियों, प्रथातु:---

- (1) श्री सुभाष चन्द्र स्नानन्व, सुपुत्र श्री धर्मबीर स्नानन्व निवासी, 15/5338, गोरा कोठी, पहाडगंज, नई विल्ली (स्रन्तरक)
- (2) श्री भजन लाल नारुला, मुपुत्र श्री जसवन्त राय नारुला निवासी 15/5368 शोग कोठी, पहाडगंज, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनयम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है ।

## अमुसू 🖷

एक दुकान जिसका न० 30 है, श्रीरक्षेत्रफल 19.7 वर्ग गज है, बैग्र रोड, (नेहरु बाजार), पहाड़गज, नई दिल्ली में है।

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1977 मोहर :

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 29th September 1977

No. F.6/77-SCA(I) —The Hou'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri B. R. Gupta, Assistant, as Officiating Section Officer with effect from the forenoon of 26th September, 1977 until further orders

#### The 30th September 1977

No. F.6/77-SCA (I) —The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint the following members of the Staff of this Registry to the post shown against each with effect from the forenoon of 30 September, 1977 until further orders.

| SI.<br>No.                                  | Name & Designation             | Post to which appointed                        |  |
|---|--------------------------------|--|--|
|   | n A. P. Jain,                  | Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge |  |
|   | ri Suresh Chandra<br>nographer | Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge |  |
| 3. Shri J. K. Sharma,<br>Offg, Stenographer |                                | Officiating Court Master                       |  |

R. SUBBA RAO, Deputy Registrat (Admn.), Supreme Court of India.

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th September 1977

No A 12019/5/74-Admn II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Senioi Analyst for a period of six months w.e.f. 12.9 77 or until further orders, whichever is earlier

Shri M S Chhabia will be on deputation to an ex-cadic post of Senior Analyse, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance OM No F 10(24)-E 111/60 dated the 4.5 61, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, for Chairman, Union Public Service Commission

#### DEPARTMENT OF SPACE

Trivandrum-695022, the 13th September 1977

No VSSC/EST/NTF/77—The Director, VSSC, hereby appoints the following officers, in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space, consequent on their promotion, as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders —

| Sl.<br>No.   | Name                 | Designation           | Date     |
|--------------|----------------------|-----------------------|----------|
| S/S          | Shrı                 |                       |          |
| 1.           | VR Prabhakara Varier | Scientist/Engineer SB | 1-1-76   |
| 2.           | G. Gopalakrishna     | Scientist/Engineer SB | 1-1-76   |
| 3.           | P. Rangaraju         | Scientist/Engineer SB | 1-J-76   |
| 4            | PM Paulose           | Scientist/Engineer SB | 1-1-76   |
| 5.           | N Saravanan          | Scientist/Engineer SB | 26-10-76 |
| 6.           | M Muralidharan       | Scientist/Engineer SB | 30-12-76 |
| 7.           | P Yathındran Nair    | Scientist/Engineer SB | 1-1-77   |
| 8.           | A Balasubramanian    | Scientist/Engineer SB | 1-4-77   |
| 9.           | Smt PC Annie         | Scientist/Engineer SB | 1-4-77   |
| 10.          | GS Dhas              | Scientist/Engineer SB | 1-4-77   |
| 11.          | A Abdul Razak        | Scientist/Engineer SB | 1-4-77   |
|              | WT Joseph            | Scientist/Engineer SB | 1-4-77   |
| 13. A Thomas |                      | Scientist/Engineer SB | 1-4-77   |

RAJAN V. GEORGE Admn. Officer II (EST) for Director

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st October 1977

No PF/S-18/74-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation, Shri S S Choudhury, an officer of Orissa Police on deputation as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, Bhubaneswar Branch, has been relieved of his duties in the C B.I with effect from the afternoon of 31.8 77.

His services have been placed back at the disposal of State Government from the forenoon of 1 9.77.

BHUDEB PAL, Administrative Officer (E), C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 29th September 1977

No O II-1073/77-Estt —The President is pleased to appoint Dr. Vinoda Kumar as G D O., Grade II (Dy S P./Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st September 1977 until further orders.

#### The 4th October 1977

No O.II-1045/76-Estt—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr V Dahp Murthy as lumor Medical Officer in the CRPF on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 17th Sept, 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

#### The 5th September 1977

No O.II-678/71-Estt.—On the expiry of 71 days LPR we.f 22-8-77 to 31-10-77 granted to him, Shri Sardara Singh, Dy SP, 35th Bn, CRPF will retire from service in this Force with effect from the afternoon of 31-10-77

A, K BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

#### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 3rd October 1977

No 7 FC2(7)-A/77.—In modification of this Commission's Notification of even number, dated 23rd July 1977. Shri P. B Dhawan, a Permanent Grade IV Officer of the Indian Economic Service has been appointed as Private Secretary to Chairman, Seventh Finance Commission, in the scale of Rs. 1100—1600 with effect from the forenoon of 24th June, 1977 until further orders

P. I. SAKARWAR Under Sccretary

# INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMFTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 28th September 1977

No 3399-GE I/M-88/PS dated 6-8-77 —Shri Susıl Kumaı Mıstrı, IAAS has been permitted to change his name as "Susil Kumar Roy".

No 3414-GE I/B-36/PF III dated 8-8-77.—Consequent upon his permanent absorption in Indian Petrochemicals Corposation Ltd, Baroda in Public interest with effect from 23-4-1977, Shii J S Bakshi (IAAS is deemed to have retired from Govt. Scivice with effect from the same date in terms of Rule 37 of the Central Civil Scivices (Pension) Rules, 1972

No 3425-GE I/24-76 dated 9-8-77—S11 Ananda Shankar. IAAS has been confirmed in the junior time scale of IAAS w.e,f. 21st May 1977.

No. 3803-GE I/S-70/PF.Pt.IV dated 30-8-77—The resignation of Shri S. P. S. Sodhi, IAAS from Govt. services has been accepted with effect from 3rd June, 1977

No 4033-GE I/P-12/PF Pt II dated 15-9-77—Consequent upon his permanent absorption in the Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd; New Delhi in Public interest with effect from 23 8 1976, Shill Y P. Passi, IAAS, is deemed to have retired from Govt. Service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the Central Civil Services (Pension). Rules, 1972.

M. M. B. ANNAVI, Assit. Compt. & Auditor General (Personnel)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UP.-I

Allahabad, the 231d September 1977

No Admi I/11-144(xiii)/205.—The Accountant General, U.P.-I. Allahabad has appointed Sri Harish Chander Srivastava II, Section Officer to officiate as Accounts Officer in this office until Turther orders with effect from 17 9.1977 F.N.

N, SRIVASTAVA, Sr Dy. Accountant General (A)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-J, MADHYA PRADESH

Gwalioi-474002, the 23rd September 1977

No OE 1/311—In terms of Rule 43 of CSS (Pension) Rules, 1972 the Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to permit Shri R. K. Pitale, a permanent Accounts Officer to retire voluntarily from services with effect from 31-8-77 A,N

KRISHNA GOPAL,

Sr Dy Acett. General (Admn)

# MINISTRY OF DEFENCE D.G O F.

## DGOF HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 27th September 1977

No 62/77/G—The DGOF is pleased to promote the following permanent Assistants to the grade of Assistant Stafl Officer (Class II Gazetted) in offg. capacity on ad-hoc basis for the periods shown against each —

- Shri Narendia Nath Ghosh—From 1477 to 29.577
   From 30 5.77 until further orders.
- 2. Shri Ramendra Kumai Mitter—From 2 5 77 to 24 7 77 From 1 8 77 until further orders

D P. CHAKRAVARTI. ADG/ADMIN-II,

for Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th September 1977

#### IMPORT AND EXPORT TRADF CONTROL ESTABLISH-MENT

No 6/84/54-Admn(G)/6903—On attaining the age of superannuation, Shii J Mukherjee a permanent Deputy Chief Controller of Imports & Exports, relinquished charge of the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the afternoon of the 31st July, 1977

No 6/176/54-Admn(G)/6910—Shri D P Mathur, a permanent Controller of Imports and Exports (Non-CSS) and an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi expired on 18th July, 1977

No. 6/1224/77-Admn(G)/6933.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar, IAS (Kerala—1965) Regional Manager, Keiala Region, Trivandrum, as Joint Chief Controller of Imports and Exports, (Central Liceusing Area), New Delhi, with effect from the forenoon of 29th August 1977, until further orders.

#### The 29th September 1977

No 6/1221/77-Admn(G)/6944—The President is pleased to appoint Shri N. C. Dave, Special Officer and Ex-Officio Under Secretary to the Government Central-Administration Department, Government of Gujarat, Gandhi Nagar, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Ahmedabad with effect from the forenoon of 21st July, 1977

2. As Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this organisation Shri N C Dave will draw his grade pay plus a special pay of Rs 200/- p m.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

New Delhi, the 19th September 1977

No A 19018/314/77-Adm(G)—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri V. Doraiswamy (a permanent Grade II Officer of CSSS) as officiating Assistant Director (Grade II), (General Administration Division) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on deputation basis Shri Doraiswamy accordingly assumed charge of the post on the forenoon of 24 8 1977, in the Office of the DCSSI, New Delhi

V VENKATRAYULU, Dy. Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

#### ADMN SEC A-6

New Delhi, the 27th September 1977

No A 6/247(239)/59-11—Shii A B Sinha AI (MET. CHEM) of the office of the Dy Director of Inspection (Mct) Bhilai under the Jamshedpui Inspectorate expired on 2 6 1977.

SURYA PRAKASH,
Dy Directoi (Administration)
for Directoi General of Supplies & Disposals

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 19th September 1977

No E-11(7) —In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July, 1969, as amended from time to time, add the following namely —

Under Class-2 'NITRATE MIXTURE'

Add "SDS-500 slurry Explosives" for carrying out trials manufacture and field trials at specified locations upto 31.8 1978, before the entry "SUPERDYNE".

I N. MURTY, Chief Controller of Explosives

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STFEL CONTROL

Calcutta-20, the 28th September 1977

No. FI-12(8)/77 ()—Iron and Steel Controller hereby appoints Shii S. K. Bhattachaiyya, Offg. A.O., on deputation to this office from the office of the Eastern Railway, Calcutta to officiate in the vacant post of Accounts Officer in this office with effect from the forenoon of 31st August 1977 until further orders.

A. C. CHATTOPADHYAY, Deputy Iron and Steel Controller For Iron and Steel Controller

#### DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th September 1977

No A 19012(96) /77-Estt.A —Shii S. K. Saha, permanent Senior Technical Assistant (Geo. is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 12 9.77 until further orders.

> L. C. RANDHIR. Head of Office, for Controller

#### Nagpur, the 30th September 1977

No A 19012(85)/77-Estt.A —Shri G. C. Sharma, Permanent Superintendent, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines in Group 'B' post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad hoc basis with effect from the forenoon of 12th September, 1977.

L. C. RANDHIR Head of Office Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL . ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 28th September 1977

No. 4(35)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii Surendra Chundal Tanna as Programme Executive, All India Radio, PUNE in a temporary capacity with effect from 14th September, 1977 and until further orders

No 4(54)/77-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rushikumar Shastri as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 15th September 1977 and until further

No. 4(89)/77-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri J. N. Joshi as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from 1st September 1977 and until further orders.

No. 4/52/77-SI -- The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Harendra Kumar Kotia as Programme Executive, All India Radio, Raipur in a temporary capacity with effect from 30th August, 1977 and until further orders.

#### The 30th September 1977

No. 4/80/77-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Krishnarao L. Jadhav as Programme Executive, All India Radio, Nagpur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 20th August, 1977 and until further orders.

#### The 1st October 1977

No. 4(55)/77-SL-The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. N Vyas as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 12th September, 1977 and until further orders

N. K. BHARDWAJ Dy. Director of Administration for Director General

#### New Delhi, the 30th September 1977

No. 10/41/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. Sayeram to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Bombay wef 2-9-77.

No 10/71/77-SIII.—The Director General, Radio is pleased to appoint Shii Yogendra Kumar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Kohima w.e.f 22-8-77.

> HARJIT SINGH Deputy Director of Administration for Director General

### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 28th September 1977

No. A-12026/7/73-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, had appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films, Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 1st August, 1977 to the afternoon of the 30th August, 1977, vice Shri M Chandtan Nair, officiating Assistant Administrative Officer appointed as Administrative Officer.

> M K JAIN Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th September 1977

No. A 12025/26/76(CHEB) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shii Sudarshan Kumar Bhagat to the post of Technical Officer (Exhibition) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, on a temporary basis with effect from the forenoon of 3rd September 1977 and until further orders.

#### The 29th September 1977

A 12026/24/77(HQ) Admn I - The Director General of Health Services is pleased to appoint Shit S M Shatmato the post of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 13th September, 1977, on an ad hoc basis and until further orders vice Shri K. C Gangal on leave

> S. P. JINDAL Dy Director Administration (O&M)

# KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHL VIBHAG)

#### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 29th September 1977

No. F.1(6)/76-Estt.II.—Shri Ram Parkash Chander has been appointed as Chief Instructor (Workshop) Group 'B' Gazetted in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Extension Education Institute, Nilokheri, District Karnal (Haryana) in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 23rd August 1977, until further orders. until further orders.

> CHANDRA PRAKASH Director of Administration

#### CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION

Bombay-58 AS, the 29th September 1977

No 1-13/77/Estt./6666.—The Director, Central Institute of Fisheries Education, Bombay is pleased to appoint Shri Sudhir Kumar Bhatnagar as Demonstrator (Craft & Geai) at the Central Institute of Fisheries Education, Bombay in a temporary capacity with effect from the folenoon of 23-4-1977 and until further orders.

#### The 30th September 1977

43-2/77/Esti /6698 -- The Director, Central Institute of Fisheries Education Bombay is pleased to appoint Shi Pankaj Kumar Baijal as Assistant Figures (Fish Faim) at the Fresh Water Fish Faim. Balabhadrapuran in a tempo-tary capacity with effect from the forenoon of 22nd August,

> Sd/ ILLEGIBLE Director

# (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st October 1977

No. F.4-6(12)/77-A.III — The appointment of Shii N. B. Bhattacharya to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short-term basis for a period of 6 months with effect from 28-3-77 (F.N.) notified vide this Directorate's Notification of even number dated 15-4-77 has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier.

No. F.4-6(119) /77-A III.—The appointment of Shri R. C Singhal to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short-term basis to a period of 6 months with effection 8-3-77 (AN), notified vide this Directorate's Notification of even number dated 19-3-77, has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier.

#### The 31d October 1977

No F 4-6(10)/77-A-III.—The appointment of Shri D. K. Ghosh to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short term basis for a period of 6 months with effect from 28-2-77 (FN) notified vide this Directorate's Notification of even number dated 25-3-77 has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier

No F 4-6(116)/77-A III—The appointment of Shri H. N Shukla to the post of Assistant Marketing Officer, Group I, on short-term basis to a period of 6 months with effect from 25-3-77 (F N) notified vide this Directorate's Notification of even number dated 11-4-1977 has been extended for a further period not exceeding three month or until regular arrangement is made, whichever is earlier.

V P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

#### BRANCH HEAD OFFICE

Nagpur, the 1st September 1977

No F 3(44)/9/72-DII.—For the purpose of the Government of India Finance Department (Central Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 12 Dt. 9-6-1945 No 1 Camp Dt 5-1-1946 No. 6 Dt 5-2-1949 No 64 Dt 17-6-1961, published in the Gazette of India I hereby authorise Shri D. G. Pattl, Senior Marketing Officer and Shri S. Subba Rao, Marketing Officer to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tobacco which has been graded in accordance with the Provisions of the Tobacco Grading and Marking Rules and formulated under Section 3 of the Agricultural produce (Grading and Marking Act. 1937. (1) of 1937.)

Sd/- ILLEGIBLE Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 27th August 1977

#### NOTICE

Ref H/257/TSD/Estt IV/7463—The following order which was sent by Registered Post A/D to Shri R I Hakim, Tradesman 'A' of this Research Centre at his address on July 19, 1977 has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 22-7-77 'I eft—address not known' The order is therefore published in the gazette.

#### "ORDER

In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri R I Hakim, a temporary Tradesman 'A', Technical Services Division of this Research Centre, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on

which this notice is served on or, as the case may be, tendered to him

- 1 Shii R I Hakim, Bazar Peth, Ratnagu l.
- Shri R. I. Hakım,
   Forgett Hill Road,
   Zenab Court,
   Rombay-400 036"

P. R MFR Head, Personnel Division

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORFS

Bombay-400 001, the 22nd August 1977

No DPS/23/8/77-Est./20622—Director, Puichase & Stores, DAE appoint the following Assistant Accounts Officers of the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Accounts Officer-II in the same Directorate, in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis for the period indicated against each.

| SI.<br>No. | Name,        | Period                           | Remarks   |
|------------|--------------|----------------------------------|---|
| 1 Shii     | V. K. Potdar | . 25-4-77 FN<br>to<br>25-6-77 AN | Vice Smt B. Shakuntala, Accounts Officer-11 granted leave.  |
| 2 Shu      | P. S. Rao    | 2-5-77 FN<br>to<br>25-6-77 AN    | Vice Shri G. L. Haldipur, Accounts Officer-II granted leave |

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 28th September 1977

No. AMD-4/3/77-Adm.—Dr H. B S. Grewal, Assistant Surgeon in Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy is appointed in substantive capacity against the permanent post of Assistant Surgeon in the same division with effect from 1-3-1977.

G R. UDAS Director, Atomic Minerals Division

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Taraput, the 23rd September, 1977

#### CORRIGENDUM

No. TAPS/2/551/67.—In the Notification No. TAPS/2/551/67 dated September 6, 1977 for the date "May 25, 1977", the date "August 25, 1977" may be substituted.

D V. MARKALE Chief Administrative Officer

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, 28th September 1977

No E(I)07197.—The Director Genoral of Observatories. New Delhi hereby appoints Shri Buj Bhushan as an Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th July, 1977 and until further orders

Shri Brij Bhushan is posted to Meteorological Centre, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta

M. R. N. MANIAN Meteorologist for Director General of Observatories

#### New Delhi-3, the 29th September 1977

No E(I)05868.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 89 days from 12-9-77 to 9-12-77

Shri Chander Paikash, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi

C. G BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

# OFFICE OF THE DIRECTOR GFNERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th September 1977

No. A.31013/3/76-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 13th September, 1977

- 1 Shrl M. M. Joglekar
- 2 Shrl B. K Ramachandran
- 3. Shii L. B. Timmins
- 4 Shit M. M Simon.
- 5. Shri S Bhattacharjee
- 6 Shri H K Sachdev
- 7 Shri T. R. Chandramouli.
- 8. Shit S. S. Bevli
- 9. Shri Prem Nath.

S. L KHANDPUR Dy. Director of Administration

#### New Delhi, the 24th September 1977

No. A38012/1/77-EC—Shri J S, Vedi, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication Actionautical Communication Station Safdarjung Auport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st August, 1977 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

#### The 27th September 1977

No A 12025/8/75-EC—The President is pleased to appoint Shii Surya Narayana Murthy as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the C.A.D. in an officiating capacity with effect from the 31st August, 1977 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station Bombay.

No A 32013/9/76-EC—In continuation of this Department Notification No. A 32013/9/76-EC, dated the 6th July, 1977 the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment in respect of the following three Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer upto 31-8-1977.

#### S. No Name Station of posting

- Shii N. R Swamy—Controller of Aeronautical Inspection, Civil Aviation Deptt, Hyderabad
- 2. Shri V K Khandelwal.—Controller of Aeronautical Inspection, Civil Aviation Deptt. Calcutta
- Shri S K. Seraswati —Director Radio Construction & Development Units, New Delhi.

No A.32013/11/76-EC—The President is pleased to appoint Shri B G Shaw, Communication Officer, A C S. Nagpur to the grade of Senior Communication Officer in officiating capacity and on regular basis with effect from the 11-8-77 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Civil Aviation Department Bombay Airport, Bombay.

#### The 29th September 1977

No A 32013/6/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri K Surender, Technical Officer A.C.S., Bombay to the grade of Senior Technical Officer purely on adhoc basis with

effect from the 30-5-77 (FN) and upto the 28-10-77 or till the regular appointment to the grade are made whichever is caller and to post him at ACS, Palain

(S No 4 of this Deptt. Notification No. A 32013/6/77-EC, dated the 4th August/16th August 1977 is hereby cancelled)

V. V. JOHRI Assistant Director of Admn.

#### VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 3rd October 1977

No. 16/208/72-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, has been pleased to replace the services of Shri P K Zacharia, Assistant Instructor, Southern Forest Rangers College, Coimbatore, at the disposal of the Government of Kerala with effect from the afternoon of 7th September, 1977.

P. R. K BHATNAGAR Kul Sachiv, Van Anusondhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 26th September 1977

No 22/1977—Shri H. C. Dewan, confirmed Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise Division, Moradabad has retired from Government service in the afternoon of 31-7-77

No 23/1977—Shri K. C. Agarwal, officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise Division Moradabad has retired from Government Service in the afternoon of 31-7-77

No. 24/1977—Shri B. S. Singh confirmed Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise, Hdgrs. Office, Allahabad has retired from Government service in the afternoon of 31-7-77.

K. P. ANAND Collector.

#### Baroda, the 14th September 1977

No. 10/77.—Shri I L Vashi, Assistant Collector of Central Fxcisc Group-A, of Baroda Collectorate retired from Government Service with effect from 31-8-1977 (AN).

K. S. DILIPSINHJI Collector of Central Excise Baroda

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

#### WEST BENGAL

Calcutta, the 4th October 1977

No C II(3)167/ET/WB/77/23939-879D—In pursuance of the Government of India, Central Board of Excise and Customs, New Delhi's letter F No. A-12026/8/75-CERC(Adm) dated 26th April, 1977 and this office order dated 5th May, 1977 issued under endt C No. II(31)31-ET/WB/76/9278-92 C dated 5th May, 1977 Shii Sidhi Nath Jha, Hindi Translator of Patna Central Excise Collectorate on being relieved on 30th June, 1977 (A N ) has assumed charge as Hindi Officer in the office of the Collector of Central Excise and Customs, West Bengal Collectorate Calcutta in the foremon of 11th July, 1977

A. K BHOWMIK
Collector,
Central Excise and Customs,
West Bengal, Calcutta

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 3rd October 1977

No A-19012/521/74-Adn<sub>1</sub> V --On repatriation from Water and Power Development Consultancy Services (I) Ltd., Shr<sub>1</sub> S S. Sachar, resumed the charge of the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission on the forenoon of 24th September, 1977.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

#### CENTRAL RAILWAY

Bombay VT., the 28th September 1977

No HPB/220/G/M.—The following Officer of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers is confirmed in Senior Scale with effect from the date shown against him

Name of the Officer Shrl S. Bhattacharya Date from which confirmed. 21-2-1967

P. R. PUSALKAR General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DFPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Agro and Cottage Industries Pvt Ltd

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1190.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Agro and Cottage Industries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Rajasthan Farmers Company Private Limited

Gwalior, the 28th June 1977

No 1192—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Rajasthan Farmers Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Colonisers and Agro Development Company Pvt Ltd.

Gwalior, the 28th June 1977

No 1193—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Colonisers and Agro Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Agricultural Company Private Limited

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1194.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Agricultural Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Horticulture and Agriculture Company Pvt Ltd

Gwalior, the 28th June 1977

No. 1197.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Horticulture and Agriculture company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

8—296GI/77

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Financiers and Investors Company Private Ltd.

Gwalior, the 28th June 1977

No 1198.—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Financiers and Investors Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpui Mercantile and Investment Company Pvt Ltd.

Gwalior, the 28th June 1977

No 1199—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Mercantile and Investment Company Private Limited has been struck off the Register and the said company is dissolved

J R BOHRA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mining & Industries Private Limited

Calcutta, the 28th September 1977

No 14691/560(5) —Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Mining & Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Kanai Roy Chowdhury & Company Private Limited

Calcutta, the 28th September 1977

No 24187/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Kanai Roy Chowdhuly & Co Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Calcutta Equipments Private Limited.

Calcutta, the 28th September 1977

No. 26901/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Calcutta Equipments Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Liberty Company Limited

Calcutta, the 28th September 1977

No 14487/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Liberty Company Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S C. NATH Register of Companies. West Bengal

In the matter of Companies Act, 1956 and of Madias-6, the 26th September 1977

CORRIGENDA

Madras-600006, the 29th September 1977

No 4144/560(5)/76.—The name of the company may pleased be read as "Pullambadi Transports Private Limited" instead of "Pullambadi Transports Private Limited" appearing in the Notification No 4144/560(5)/76 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 19-2-77 at page No. 870

In the matter of Companies Act, 1956 and of Madras-6, dt 26-9-1977

Madras-600006, the 29th September 1977

No. 4144/560(5)/76—The name of the company may please be read as 'Sri Selva Muthukumarasamy Bus Service Private Limited" instead of "Selva Muthu Kumarasamy Bus Service Private I imited" appearing in the Notification No. 4643/560(5)/76 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 22-1-77 at Page No 437.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Madras-6, dt 26-9-1977

Madras-600006, the 29th September 1977

No. 5041/560(3)/76—The name of the company may pleased be read as "Khan Chit Fund Private Limited" instead of "Kanchan Chit Fund Private Limited" appearing in the Notification No DN/5041/560(3) published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 16-10-76 at page No. 9029.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Ganesh Chit Fund Company Private Limited

Madras-600006, the 3rd October 1977

No. 809/560(5)/77—Notice is herby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ganesh Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Mekem Engineers Private Limited.

Madras-600006, the 3rd October 1977

No 5655/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mckem Engineers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Homeo and Bio Company Limited

Madras-600006, the 3rd October 1977

No. 5760/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Homeo and Bio Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Sabarl Agencies Private Limited

Madras-600 006, the 3rd October 1977

No. 6376/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sabari Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K PANCHAPAKESAN Asst Registrar of Companies Tamilnadu

MODEL TOWN, LINK ROAD, JULLUNDUR CITY
In the matter of Companies Act, 1956 and of
Amrit Bank Limited

Jullundur, the 30th September 1977

No STAT/149/7370—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Amrit Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Wheato Laboratories Limited

Jullundur, the 30th Soptember 1977

No. Stat/1320/7374.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Wheato Laboratories Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Pure Milk Supply Company Limited (In Liqn)

Jullundur, the 30th September 1977

No STAT/1786/7383—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Pure Milk Supply Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

S P TAYAL Registrar of Companies Punjab, H. P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956 and of Valsh Benefit Chit Fund Private Limited

New Delhi, the 30th September 1977

No 3892-17737—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vaish Benefit Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be strick off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN
Asstt Registrar of Companies
Delhi & Haryana

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 18th August 1977

## INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 78.—Shri Mahesh Chandra, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group-B in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Salary Circle, Lucknow on 28-6-1977 in the forenoon

No. 79.—Shri J. S. Joshi, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad, has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group-B in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on promotion he ionted as Income-tax Officer (Audit) at Allahabad on 30-6-1977 in the forenoon

No 80—Shri I C Chatteriee, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group-B, in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. on promotion he ioined as Income-tax Officer, (HQ) Technical and Public Relation Officer. In the Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow on 28-6-1977 in the forenoon.

No 81—Shri B. K Pande, Income-tax Inspector, Office of the Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax (Audit), I ucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Groun-B in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—FB-35—880—40—1000—EB—40—1200, on promotion he coined as Income-tax Officer, D-Ward, Bareilly on 30-6-1977 in the forenoon.

S K LALL
Commissioner of Income-tax
Lucknow

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 22nd September 1977

#### **CORRIGENDUM**

Sub. —Acquisition proceedings under Chapter XXA of the IT. Act 1961—Property measuring 5 acres and 4 cents at survey No. 368/4, Karungattangulam, Madural district.

Ref .—This office letter of even No. dated 16-8-1977 with nouse u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961.

No. F. 45/DEC/76.—In the Schedule to the notice u/s. 269D(1) of the Income-tax Act, 1961, the property purchased by M/s. A. Baskaran and Sureshkumar from Smt. Avadar Ammal and 5 others as per Doc. No. 2189/76 legistered on 22-12-1976 by the Sub-Registrar, Chinnamanur has been wrongly described as "Agricultural lands measuring 8 acres and 72 cents in survey Nos. 362/2 (6.60 acres) and 362/1 (2.16 acres) with well and motor pumpeet at Karungattankulam village, Chinnamanui". The correct description of the property is as under; which may please be substituted for thabove description.

"Agucultural land measuring 5 acres and 4 cents in survey No. 368/4 at Karunkattankulam village, Chinnamanur."

G. RAMANATHAN
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI (CENTRAL) NEW DELHI

Subject .—Jurisdiction—Creation of two new ranges of Inspecting Asstt. Commissioner of—Income Tax (Central), New Delhi.

New Delhi, the 5th September 1977

No. SI/Jun.II/C/77-78/3063.—In exercise of the powers conteired by sub-section (1) of section 123 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income Tax Delhi (Central), New Delhi hereby directs that a two new Ranges, known as Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Central) Range-IV & Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax (Central) Range-V, New Delhi. shall be created at Delhi.

This order shall come into force with effect from 7-9-77.

Subject:—Jurisdiction—Creation of two new Central Circles at New Delhi.

No. SI/Jur (I)/C/77-78/3062.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124 of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income Tax. Delhi (Central), New Delhi, hereby directs that two new Circles known as Income Tax Officer, Central Circle—XVI & ITO Central Circle-XVII, New Delhi, shall be created at New Delhi.

The Income Tax Officers Central Circle-XVI and Central Circle-XVII New Delhi shall perform their functions in respect of such cases as are assigned to them by the Commissioner of Income Tax or the Board, as the case may be, under sub-section (I) of section 127 of the Income Tax Act, 1961.

This order shall come into force we.f. the 7-9-77.

N. S RAGHAVAN COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI (CENTRAL) NEW DELHI. New Delhi, the 24th September, 1977

#### INCOME-TAX

No. JUR/DL1/II/77-78/24570.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the orders No. JUR/DL1/II/6-77/2667 dated 1-5-76 and JUR/DL1/II/76-77/43305 dated 17-1-77 on the subject, the Commissioner of Income-tax. Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

#### SCHEDULE

S Designation of the ITO No.

Jurisdiction

1. Income-tax Officer, Distt VI(6), New Delhi

- (a) All persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax officer Distt. VI (1), New Delhi where names commence with letter 'A' to 'M' (both inclusive) of the alphabet
- (b) All persons being partners of the firms falling in item(a) above
- 2 Income-tax Officer, Distt VI(6-Addl) New Delhi
- (a) All persons or classes of persons income or classes of Income and cases or classes of cases other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VI (1), New Delhi where names commence with letters 'N' to 'Z' (both inclusive) of the alphabets
- (b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.

This notification shall take effect from 1-10-1977.

A. C. JAIN Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi

Amritsai, the 1st October 1977

No 4—Shri Des Raj Gupta, Income-tax Officer, Class II retired from government service on 31-8-1977, afternoon.

B. R. ABROL, Commissioner of Income-tax, Amritsar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th September 1977

Ref. No AP24/77-78—Whereas, I, P N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorphism recognity housing a fair market pulse.

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No As per schedule situated at Wajeedpui Bhoma (FZL.) (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Fazilka on Jan., 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) S/Sh. Ram Partap, Ram Narain, Net Ram ss/o Sh. Raja Ram, Smt Tulsi, Rameshri d/o Sh. Siri Krishan, Inderjit, Sunder Devi, Sarla Devi d/o Ram Gopal s/o Sh. Krishan, resident at Wajidpur Bhoma, Teh Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Sh Harjinder Singh, Gurwinder Singh, Baltaj Singh s/o Shri Jarnail Singh s/o Sh Arjan Singh, resident of village Lakadwala, Teh. Muktsær

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 95 Kanal and 1 Marla of land in village Wajidpur Bhoma, Teh Fazilka as mentioned in registration deed No 1603 of January, 1977.

P. N MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 30-9-1977

Scal:

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th September 1977

Ref. No AP23/77-78.—Whereas, I, P N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at Wajidpur Bhoma (FZL.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Fazilka on Jan, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) S/Sh Ram Partap, Ram Naram, Net Ram, Raja Ram, Smt Tuisi, Smt. Rameshri d/o Siii Krishan s/o Sh Sardul, Inderjit, Vikiimjit, Smt Sunder Devi, Sheela, Sumcetra, Sarla Devi d/o Sh. Ram Gopal, resident of Wajidpur Bhoma, Teh. Fazilka. (Transferor)
- (2) S/Sh Harjinder Singh, Gurwinder Singh, Bairaj Singh s/o Shri Jarnail Singh s/o Sh Arjan Singh, resident of village Lakadwala, Teh. Muktsar

(Transferee)

(3) As per \$ No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 95 Kanal and 1 Marla in village Wajidpur Bhoma, Tch Fazilka as per registration deed No 1611 of January, 1977.

P. N MALIK Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date: 30-9-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A P 25/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per schedule situated at Moga Mahila Sing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 2-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Gurbachan Sungh s/o Dharam Singh s/o Chuhar Singh residence of Moga Mahil Singh Tch Moga. (Transferor)
- (2) M/s. Meenakshi Films Corp Moga. Teh 'Moga. (Transferce)
- (3) As per S. No 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nine Marlas and three Sarsat land in Moga Mahila Singh as mentioned in registration deed No 6375 dated 2-2-77.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-9-77

Seal:

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No. A.P.26/77-78—Whereas, I, P. N MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at Moga Mahila Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 1-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arjan Singh s/o Partap Singh s/o, Chuhar Singh Moga Mahila Singh, Teh Moga (Transferor)
- (2) M/s Meenakshi Films Corp. Moga through Kundan Lal s/o Kanhya Lal partner Moga (Transferee)
- (3) As per S. No. 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring per Kan One Kanal five Marlas five Sarsai and nine Squ. feet situated at Moga Mahila Singh as mentioned in registration deed no 6362 dated 1-2-77.

P. N MALIK

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date · 28-9-77

Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A.P 27/77-78—Whereas, I, P N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per scheduled situated at Moga Mahila Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moga on 15-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arjan Singh s/o Partap Singh s/o Chuhar Singh residence of Agwar Pale Ka Moga Mahila Singh.

(Transferor)

(2) M/s Mcenakshi Films Corp Moga through Sh Harjeet Singh s/o. Sh. Charan Singh residence of Moga

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring One Kanal six Marlas and twenty eight Squ. feet in Moga Mahila Singh in mentioned in registration deed No 6617 dated 15-2-77.

P. N MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-9-77

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No AP 28/77-78 —Whereas, IPN MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Moga Mahila Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Moga on 28-3-1977

for an apparent consideration which is Icss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjan Singh 5/0. S. Partap Singh s/o Chuhar Singh residence of Moga Mahila Singh Teh. Moga (Transfetor)

(2) M/s Meenakshi Films Corp Moga through Sh Parshotam Lal s/o Sh Parkash Chand residence of Moga

(Transferee)

- (3) Any as per S. No 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

One plot measuring one Kanal six Marlas and twenty eight Sq. feet situated at Moga Mahila Singh as mentioned in registration deed No 7313 dated 23-3-77

P N MALIK

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date 29-9-77 Seal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No. A.P.32/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moga Mahila Singh (and more fully describcd in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 13-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

 Shri Mukhtiar Singh s/o. Thakar Singh s/o Hazara Singh Nanak nagari Moga through Madho Parshad s/o Badri Parshad GA, Moga.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh S/o Isher Singh s/o Hazara Singh C/o Kulsi Engg. Works Majestic Road, Moga

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One building consisting of one hall and one office 100m Area proximately nine marlas as mentioned in registration deed No. 606 dated 13-5-77

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-9-77

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A.P 33/77-78.—Whereas, I, P N MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at V. Diwan Khera (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on March 1977

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Jhanda Ram S/o. Sh. Chanan Ram S/o. Manu Ram R/o Village Diwan Khera. Teh. Fazilka

(Transferor)

(2) Shrimati Ishia Rani D/o Sh Bhagwan Dass S/o Lehna Ram R/o Village Kukran Weli Teh Fatch Bad Distt. Hissar

(Transferee)

(3) As per S No 2 (Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

31 Kanal 1 Maila of agricultural land in village Diwan Khera as mentioned in the registration deed No 2418 dated 30-3-77.

> P N MALIK Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date : 28-9-1977 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No AP 34/77-78 --Whereas, I. P N MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Fazilka on 12-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Inder Ruj & Rum Kumai S/o Sh. Kum Krishan R/o Abohai Feh Fazilka

(Transferor)

- (2) Shii Anil Kumat S/o Sh. Banwaii Lal R/o. Abohat (Transferee)
- (3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

111 Sq yards of agricultural land in village. Abohar as mentioned in the Registration deed No 62 dated 12-4-77

P N MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 28-9-1977

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref No A P.35/77-78—Whereas, I, P N MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at V Lalewala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehai on Ireb., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Sh. Ant Singh s/o Sh. Sunder Singh, V Kang

(Transferor)

(2) Sh Punoo, Sh Amar Singh s/o Sh Gopi, V. Wajid-pur,

(Transferer)

(3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned know, to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Agricultural land measuring 168 Kanal in village Lalewal as mentioned in registration deed No 4294 dated 3-2-1977

P N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date · 29-9-1977

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th September 1977

Ref. No. A P 29/77-78—Whereats, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imphovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No As per schedule situated at V. Moga Mahil Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on 9-2-1977

or an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Karnail Singh, Jasmail Singh s. S/o. Sh. Putan Singh, Bikkar Singh, Jaswant Singh Urf Basant Singh, Banta Singh Sh. Darshan Singh S/S/o Amar Singh R/o Moga.

(Transferor)

(2) Sh Ram Kiishan, Hari Kiishan, Sham Lal S/S/o Pir Dass Mal, Ram Gopal Sushil Kumar, Kamul Kumar, Pal Kumar S/S/o Sh Panna 1 al R/o Moga Mandi.

(Transferce)

(3) As per \$ No 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1 Kanal 2 Marlas of agricultural land in village Moga Mahil Singh as mentioned in the Registration deed No. 6462 dated 9-2-77.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date · 8-9-1977

Seal -

(1) Sh. Dharam Pal S/o Sh. Jagat Ram S/o Sh. Kanshi Ram R/o Civil Line, Moga

(3) As per S No. 2

(Transferor)

(2) Sh. Chander Parkash Madan S/o Sh Sukhdyal R/o G. T. Road, Moga

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref No A.P.30/77-78.—Whereas, I, P N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No As per sc'edule situated at V Moga Mail Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 18-5-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation '- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

16 Marlas and 6} Saisai of agricultural land in village Moga Mahil Singh as mentioned in the Registration deed No 664 dated 18-5-77

> P. N MALIK Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date · 28-9-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1977

Ref. No. A P 31/77-78 — Whereas, E. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Grain Mandi Moga (and more fully described in the Schedule annexed heicto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moga on Feb 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kalu Ram Urf Rakesh Kumar S/o Ram Saroop cloth merchant, New Town 10ad H. No 31, Moga

(Fransferor)

(2) M's Sita Ram, Narain Dass Commission Agents, Grain Mandi, Moga

(Transferce)

(3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

4 Marlas of agricultural land in village Moga as mentioned in the Registration deed No. 6778 dated 23-2-77

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 28-9-1977

Seal :

(1) Sh Thakur Dass s/o Sh Mahala Partner, Baluiana, Teh Fazilka. Ram. Abohai, FORM ITNS-

(3) As per S No. 2.

(Transferor)

(2) Sh Chamba Ram s'o Sh Sahib Ditta, R/o Ralmana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda the 29th September 1977

Ref. No AP 36/77-78 -- Whereas, I, P N, MALIK. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Baluiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Fazilka on 25-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ,---10-296GI/77

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

40 Kanals 1 Marla of agricultural land in village Baluiana as mentioned in the Registration deed No. 2365 dated 25-3-1977

> P N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date · 29-9-1977

Seal ,

(1) Sh. Baldev Singh s/o Sh. Bhagwan Singh, Khawatder, Phagwara Shedgi.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref. No AP 37/77-78 -Wheleas, I, P. N MALIK. being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Phagwara Shedgi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on Feb. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(2) Sh. Gurmeet Chand s/o Sh Ujjagai Ram, Palahi Gate, Phagwara

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

11 Kanal 11 Marlas of agricultural land in Phagwara Shedgi as mentioned in registration deed No. 1614 dated 8-2-1977.

> P N MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date . 29-9-1977

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref No A P.38/77-78—Whereas, I, P N MALIK, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in Feb 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rama Mal s/o Sh Gujjar Mal, Prop., Chaman Engg. Works, Industrial Area, Phagwaia.

(Transferor)

(2) Sh Wassan Singh 4/0 Sh Ranga Singh, Prop Wasco Industries, Industrial Area, Phagwara

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No 19 measuring 979 sq yards and 4½ sq ft. in Industrial Area, Phagwara as mentioned in registration deed No 1634 of Feb, 1977

P N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date · 29-9-1977

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ref No AP 39/77-78—Whereas, I, P N MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on 9-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Sh Rama Mal s/o Sh Gujjar Mal, Prop, Char Engg Works, Industrial Area, Phagwara

(Transferor)

(2) Sh. Abinashi Lal s/o Sh. Ram Chand, Resident of Thapar Colony, Phagwara

(Transferec)

(3) As per S No 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No 19-A measuring 979 yards and 4½ sq. ft in Industrial Area, Phagwara as mentioned in registration deed No 1635 of Feb., 1977

P N. MAI Ik
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 29-9-1977

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 29th September 1977

Ret No AP 40/77-78—Whereas, I. P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V Behram (Nawon Shehar) (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nawan Shehai in Feb 1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Atma Singh s/o Shii Harnam Singh, V. Behiam, Teh Nawan Shehar

(Transieror)

(2) Shii Taisem Lal, Shii Sohan Lal, Shii Ved Parkash, Shri Togindei Pal, 85/0 Shii Sadhu Singh (Halwai), V. Behiam, Teh Nawan Shehai

(Transferce)

(3) As per S No. 2 (Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 Kanals situated in village Behram, Teh Nawan Shehai as mentioned in registration deed No 4563 dated 28-2-1977

P. N. MAI IK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 29-9-1977

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th October 1977

Ref. No. AP 41/77-78.—Whereas. I P. N. MALIK. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

As per schedule situated at Mirpur Khurd (Mansa), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh in Feb. 1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Harbans Lal s/o Shri Partæp Rai s/o Shri Ganda Mal, R/o Mirpur Khurd, Teh. Mansa, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar, Shri Vinod Kumar ss/o Shri Kundan Lal s/o Shri Partap Rai, R/o Mirpur Khurd, Teh. Mansa, Now Cinema Road, Mansa.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

60 K and 4½ marlas of agricultural land in village Mirpur Khurd, Teh. Mansa as mentioned in registration deed No. 966 of Feb. 1977 registered with the Sub-Registrar, Sardulgarh.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-10-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th October 1977

Ref No BTA/AP 42/77-78—Wherds, 1 P. N MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mirpur Khurd (Mansa), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sardulgarh on June 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesald property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and f or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chiman Lal 3/0 Shri Partap Rai s/0 Shri Ganda Mal., Resident of Mirpur Khurd, Teh. Mansa, Distt Bhatinda

(Transferor)

(2) Shii Vijay Kumar, Shii Vinod Kumar ss/o Shr Kundan Lal s/o Shri Purtap Rai, R/o Mirpur Khurd, Teh Mansa now Cinema Road, Mansa

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

60 Kanal and 41 marlas of agricultural land in village Mirpur Khurd, Teh. Mansa as mentioned in registration deed No. 622 dated 29-6-1977 registered with the Sub-Registrar, Sardulgarh.

P N MALIK
Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date · 5-10-1977

Seal .

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 60/61, FRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411004, the 27th September 1977

Ref No CA5/Nasik/Feb'77/340 - Whereas, I, Smt P LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

S. No. 243/3-8.CTS No. 2212 & 2213 situated at Deolali, Dist. Nasık

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nasik on 8-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ,-

- Shri Jivram Ranchoddas Thakkar

  - (1) Shri Jivrain kanchoddas Thakkar (2) Shri Hirjibhai Ranchoddas Thakkar (3) Shri Laxmidas Ranchoddas Thakkar (4) Shri Thakaarsy Ranchoddas Thakkar (5) Shri Vithaldas Ranchoddas Thakkar

All at House No. 101, CTS No. 3241, Subhash Road, Nasik Road

(Transferor)

(2) (1) Shri Dagdulal Chunilal Gandhi

(2) Shri Ratilal Chunilal Gandhi

At & Post Kasbe Sukene, Tal Niphad, Dist Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Open land at Mouje Deolali, Tal & Dist. Nasik, within Municipal limits of Nasik, SNo 243/3-8, CSNo & 2213 half share ie 517 85 sq mts

(Property as described in the Sale Deed registered under No. 103 dated 8-2-77 in the office of the Sub-Registral, Nasik)

> Smt, P LALWANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date · 27-9-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Shridhar Nathui Dhatrak, Pimpalkhed, Tal Dindori, Near Karanjwan Dam, Dist Nasik

(Transferor)

(2) Shii Mulji Piemji Patel, Partner of Shii Panchavuti Saw Mill, Peth Road, Panchwati, Nasik.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411004, the 28th September 1977

Ref No CA5/Nasik/April'77/341.—Whereas, I, Smt. P LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

S No 104/1-B-2/2-1, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nasik on 8-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between -the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property S No 104/1-B-2, 2/1 at Panchvati, Nasık. Arca O-H, 9-R-1 freehold (Property as described in the Sale deed registered under No. 298 dated 8-4-77 in the office of the Sub-Registrar, Nasık).

Smt. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 28-9-1977.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411004, the 30th September 1977

Ref No CA5/Haveli-II/Poona/March'77/343 —Whereas, I, Smt P LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

S No 48/2, Village Nagargaon situated at Vil. Nagargaon, Dist Poona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Havelt-II. Poons on 7-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Finolex Cables Ltd. 26-27, Bombay Poona Road, Pimpri. Poona-18.

(Transferor)

(2) M/s Udey Pyrocables Pvt. 1 td Dina buildings.53 Muhashi Karve Road, Bombay-400002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No 48/2 at Village Nagargaon, Taluka Maval, Dist Poona Land & Buildings, Area 10 acres 19 Gunthas

(Property as described in the sale deed tegistered under letter No 4 dated 7-3-1977 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Poona)

Smt P LALWANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Aange, POONA

Date . 30-9-1977. Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWARA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 30th September 1977

Ref No. CA5/Harkanangalc/April '77/342.—Whereas, I, 3mt P LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

CTS No 597/2 situated at Ichalkaranji (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hatkanangale on 26-4-77

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Sadashiv Banavali,
 (2) Smt. Nirmal Manohar Banavali,
 Ward No. 10, House No. 100, Ichalkaranji.

(Transferoi)

(2) (1) Shri Sakhajam Govind Udale.
 (2) Shri Bajrang Sakharam Udale,
 Ward No 5, House No 88, Ichalkaranji

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as nie defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C.T.S.No. 597/2, Ichalkaranji, Tal Hatkanangle Dist. Kolhapur,

Area 0.9 Gunthas (non-agriculture) Land and building, freehold.

(Property as described in the sale deed registered under No 393 dated 26-4-77 in the office of the Sub-Registrar Hatkanappale).

(Smt.) P. LALWANI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range, POONA

Date · 30-9-1977. Seal:

#### [PART'III—SEC. 1

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ref. No IAC/Acq.I/1280/Mar-I(13)/76-77.--Whereas J, J. S GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Shop No 135, situated at Bhugat Singh Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 9-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Gian Chand Kalra s/o Shri Kanshi Ram r/o J-79, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt Asha Chaudhry w/o Shii R. R. Chaudhry r/o F-69, Bhagat Singh Market, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 135 measuring 387 sq. 1t. situated at Bhagat Singh Market, New Delhi.

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

1977 New Delhi, the

Rel. No IAC/Acq.I/April-II(21)77-78/25.—Whereas I, J S GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe

that the immovable property having a fair market value execding Rs 25,000/- and bearing

No E-532, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Vijai Vir Wanchoo (Karta, HUF) s/o Shri Hari Har Nath Wanchoo r/o 3, Bhagwan Dass Road, New Delhi, at present C/o Bharat Refinery Training Centre. Trombay House, Juhu, Bombay-400054 through his general attorney Smt Sarup Nehru w/o Shi B K Nehru r/o 1, Western Avenue, Maharani Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Shii S. C. Chopru s/o I. Chajju Ram and Vinod Chopra s/o Shri S. C. Chopra r/o Rajori Garden, New Delhi Shri, J-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION, -- The terms expressions used and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold plot bearing No. 532, Block E in the residential colony known as Greater Kallash-II, New Delhi-48 measuring 550 sq. yds, within the limits of the Delhi Municipal Corporation, in the Revenue Estate of Village Bahapui, in the Union Territory of Delhi, and bounded as under:

North Plot No. E-534
South Plot No. E-530

Service Lane East West : Road.

> J S. GILL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date:

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ref. No IAC/Acq l/April-II(14)/77-78.—Whereas 1, J S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No M-124, Greater Kailash situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dellin on 25-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Raksha Tandon w/o Late Shii Harish Chander Tandon r/o Rajiv Farm, Bijwason, New Delhi through her General Attorney Shri Joginder Pal Kohli r/o Ancharge, Ramchandani Marg, Bombay (Transferor)
- 1. Smt R K Singh w/o R C Singh and
   2. Shri Rajan Bansal son of Shri R C Singh 1/o
   229, Bazar Ajmert Gate, Delhi-6.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No 124. Block No. 'M' measuring 500 sq yds in the residential colony known as Greater Kadash situate at Village Yaqutpui in the Union Territory of Delhi together with two and half storeyed house built thereon and bounded as under:—

East . Road
West · S Road
North Plot No M-122
South Plot No M-126

J S GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax,
Acquisition Range-I, Delhi/Now Delhi

Date:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DEI HI-1(110001)

New Delhi, the 1977

Ref No JAC/Acq I 1223/Jan 1(5)/76-77 - Whereas I, J S GILL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No E-71 situated at Greater Kadash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11/1/1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

(1) Shri Satyamurti Sharma s/o Shri Bala Prasad Sharma and Smt. Prem Sharma w/o Shri Satyamurti Sharma t/o 7/8, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Rajesh Kumai Gupta s/o Late Shii Bishambar Dayal Gupta and Smt Santosh Gupta w/o Shii Radhey Shyam Gupta r/o M/17, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No 71 in Block No. E measuring 220 sq. yds situated in the residential colony known as Greater Kadash-II, New Delhi and bounded as under —

North Plot No E-73 South Plot No E-69 East Scrvice Lane West Road

I. S. GILL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date Seal

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (Transferor) (2) Shri Naresh Kumai s/o Madan Lal r/o 408, Nava

(1) Shri S. Bhupinder Singh s/o S Mehtab Singh r/o

III-G/14, Lajpat Nagar, New Delhi.

(2) Shri Najesh Kumai s/o Madan Lal r/o 408, Naya Bans, Delhi (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 10th October 1977

Ref. No. IAC/Acq I/1238/Jan-II(19)/76-77,—Whereas, I, J S GILL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-449 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No 449 in Block 'E' alongwith a single storeyed house constructed on it in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under '—

East Plot No E-447.
West Plot No E-451
North Service Lane
South Road

J S GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 10-10-1977

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Shankreppa, Virupakshappa, Bagi, Paitner in M/s S. V. Bagi, Raviwarpeth, Belguum,

(1) Shri Basavaraj V Hondad, R/o Tilakwadi, Belgaum

m, (Transferce)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMPTAX ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dhatwar, the 6th October 1977

No 192/77-78/Acq —Whereus, I, D C RAJAGOPALAN, Inspecting Asstt Commissionei of Incometax Acquisition Range, Dharwai,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal bearing No 674, situated at Rayiwarpeth of Belgaum City,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Belgaum under document No 1897 on 10-1-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12- 29(GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop Building at Raviwarpeth, Belgaum City Municipal bearing No. 674, measuring site area 966 Sq. Ft.

D C. RAJAGOPALAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date 6-10-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 26th September 1977

No IAC/ACQ/45/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on 372/240 on plot No. 193, Cir. No. 5/10, Nagpur, Central Avenue Scheme, Section III, NIT, Nagpur Juna Bagadgani Layout, Nagpur situated at Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpui on 26-4-1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Prabhakar Maiotrao Thaokar, Juni Mangulwari, Cii. No 5/10, Nagpui (Tiansteroi)
- (2) Shri Vishram Lekhraj Magnani, Shii Shankai Lekhiak Magnani, Shii Asandas Lekhiaj Magnani, Satranji pura Quata Colony, Nagpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No 193 of Bagadganj Layout Central Avenue Scheme Section III, Nagpur, Area of plot 2400 Sq. ft.

H. C SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 26-9-1977

Seal;

#### \_\_\_

#### FORM ITNS (1) Shri Sitaram Koyan

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Tapan Kumar Guha

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 231d September 1977

Rei No AC-9/Acq R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, A. N BIIATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

No. 198, situated at Take Town 'Block A', Cal-55,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration  $\Lambda ct$ , 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 16-2-1977,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered too the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 8 chittaks 22 sit together with 3-stoned building thereon situated at 198, Lake Town Block 'A', Calcutta-55.

A. N BHATTACHARYYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwa Road, Calcutta-16

Date . 23-9-1977.

 M/s Salt Lake Krishtopui Cooperative T and and Housing Society Ttd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Saha Institute Cooperative Colony Society Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Calcutta, the 4th October 1977

Ref. No AC-16/Acq R-IV/Cal/77-78,—Whereas, J. A N BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Dag No 3527, situated at P S. Rajarhat, 24-PGs, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-1-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1958 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

All that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 13 cottahs being Dag No. 3527 (piesent 5537) Kh No 604 situated in Mouza Krishtopur, P S. Rajarhat, Dist 24-Pgs

A N. BHATTACHARYYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwar Road, Calcutta-16

Date , 4-10-1977 Senl ,

(1) Shr<sub>1</sub> Natwarlal Agarwal

(Transferor)

(2) Shrimati Manisha Sarkai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV

Calcutta, the 6th October 1977

Ref. No AC-17/Acq.R-1V/Cal/77-78—Whereas, I, A. N. BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 164, situated at Prince Anwai Shah Rd. Cal and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at

Alipore on 7-1-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

164, Prince Anwar Shah Road, Plot No. 5, North Block A/1, P. S. Tollygunge, vacant land measuring 2 cottahs 3 chittaks 3 sft.

A N BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 6-10-1977

(1) Shumati Renu Venkat Ramani C/o V. S Krishnan, R/o E-1/120, Areia Colony, Bhopal

( Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE

Bhopal, the 3rd September 1977

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/893 —Whereas, I, R, K BALL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Building at Private Sector F-1 120, Village-Shahpura, Habibgani, Bhopal situated at Shahpura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-5-1977,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

(2) Shimati Suraj Kumari Duggal W/o Shii V. M. Duggal, R/o E-1/44, Arcia Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at Private Sector E-1/120, Village-Shahpura, Habibganj, Bhopal.

R K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date · 3-9-1977

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd September 1977

Ref No. IAC/ACQ/BPL/891/77-78 —Whereas I, R. K. BALI,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh No. 11.2, 11.3, 11.9 (Part) with office building, Store Building and 1.95 Agricultural situated at Harda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 3-2-1977.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-sax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shii Tubhuvandas, 2, Shii Kushandas, 3 Shii Vishandas, All sons of Shii Ballabhdas Through Power of Attorney Shii Leela Chand S/o Shii Vishwanathji Patel (Gujiati), R/o Evila, Disti-Nasik

(Transferor)

(2) Shii Ramchandia Agarmal S/o Shii Hazaiilal Agarmal, R/o Haida (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No 112, 113, 119 (Part) with office building Store Bldg and 1.95 Agricultural situated at Haida (M.P.)

R. K. BALI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date . 3-9-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31d September 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/892/77-78 —Whereas, I, R K BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act) have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No. 17, Building known as 'Habib Manzil', Ward No 1, Idgah Hills, Bhopal situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 11-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shiimati Arpana Devi W/o Shri Das Gupta AM R/o 28, Kailash Pail Indoic (MP)

( Transferor)

(2) Shrimati Saroj Devi Agarmal D/o Shri Mithoolalji Agarmal, R/o Bhopal Talkies, Hamidia Road, Bhopal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 17, Building known as 'Habib Manzil' Ward No. 1, Idgah Hills, Bhopal.

R. K BALI,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date 3-9-1977

Seal.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 10th October 1977

Ref. No. IAC /Acq.III/SR III/Fcb. 606(5)/76-77.—Whereas I,  $\Lambda$  L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No 30 situated at Nehru Bazai, Baird Road, Pahai Ganj, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Subhash Chander Anand S/o Shii Dhaiamvir Anand, r/o XV/5368 Shoia Kothi, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhajjan Lal Naiula, S/o Shij Jaswant Rai Naiula, r/o XV/5368 Shoia Kothi Pahai Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No 30 measuring 197 sq yds situated in Baiid Road (Nehiu Bazar) Pahar Ganj, New Delhi

A L SUD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 10-10-1977

 Syed Shah Mahboob Ahmed Quadii, R/o Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th October 1977

Ref No RAC No.105/77-78.—Whereas, I, K S VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5-3-919 to 973 situated at Moazam Jani Market, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 28-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than difference of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the ransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(2) 1 S/Sri Haji Mohd, Hussain, S/o late Haji Mohd. 2 Sii Haji Mohd, Ahmed, 3 Haji Mohammed Anwai, 4 Haji Mohd, Younus, 5. Haji Mohammed Yaseen, 6 Haji Mohd, Waheed, all ale S/os of late Mohd Omer, residing at Mahaboob Manzil, Noorkan Bazar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House M No 5-3-919 to 923 situated at Moozam Jahi Market, Hyderabad, admeasuring about 700 Sq. Yds. registered vide Document No. 472/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 7-10-1977 Seal :

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977